मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 7 अंक 342
रविवार, 06 जुलाई 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हम साथ आए हैं, साथ ही रहेंगे: उद्धव ठाकरे

मुंबई, 05 जुलाई। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बड़े बदलाव के तहत दो चचेरे भाइयों उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने शनिवार को मुंबई में एक विशाल रैली के दौरान दो दशक बाद राजनीतिक एकता के संकेत दिए। अपने चचेरे भाई राज से 18 साल बाद फिर से मिलने के बारे में उद्धव ठाकरे ने कहा कि हम साथ रहने के लिए साथ आए हैं... हम मराठी की रक्षा के लिए एकजुट हुए हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि हम एक साथ हैं, ये महत्वपूर्ण है।

उद्धव ने कहा कि जब से हमने इस कार्यक्रम के बारे में घोषणा की थी, तब से सभी को आज हमारे भाषण का बेसब्री से इंतजार था, लेकिन मेरे हिसाब से हम दोनों का एक साथ आना, और यह मंच हमारे भाषणों से ज्यादा महत्वपूर्ण था। राज ठाकरे ने पहले ही बहुत बढ़िया भाषण दिया है, और मुझे लगता है कि अब मुझे बोलने की जरूरत नहीं है। उद्धव ठाकरे ने भाजपा पर गरजते हुए कहा कि हिंदू और हिंदुस्थान स्वीकार्य हैं, लेकिन हिंदी थोपना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आपकी सात पीढ़ियां बर्बाद हो जाएं, लेकिन हम ऐसा नहीं होने देंगे।

उद्धव ठाकरे ने भाजपा को चेतावनी देते हुए कहा कि हिंदुत्व एकाधिकार नहीं है। हम सबसे गहरी जड़ों वाले हिंदू हैं। आपको हमें हिंदू धर्म सिखाने की जरूरत नहीं है। 1992 में मुंबई में हुए दंगों में मराठी लोगों ने ही हिंदुओं को बचाया था। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे और मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने हाथ मिलाते हुए संयुक्त विजय सभा 'आवाज मराठीचा' का आयोजन किया, जिसमें राज्य के स्कूलों में कक्षा 1 से हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में लागू करने संबंधी सरकार द्वारा पहले जारी किए गए दो सरकारी आदेशों को वापस लेने का जश्न मनाया गया।

इससे पहले राज ने सभा को संबोधित करते हुए महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस पर तीखा हमला किया और कहा कि बाद में उन्होंने वह हासिल किया जो बालासाहेब नहीं कर सके, उन्होंने उद्धव के साथ अपने पुनर्मिलन की ओर इशारा किया। राज ठाकरे ने कहा कि आज, बीस साल बाद, उद्धव और मैं एक मंच पर एक साथ आ रहे हैं, कुछ ऐसा जो बालासाहेब हासिल नहीं कर सके, लेकिन देवेंद्र फडणवीस ने संभव बनाया है।

राज ठाकरे ने कहा कि मुझे हिंदी से कोई शिकायत नहीं है, कोई भी भाषा बुरी नहीं होती। भाषा को बनाने में बहुत मेहनत लगती है। मराठा साम्राज्य के दौरान हम मराठी लोगों ने कई राज्यों पर राज किया, लेकिन हमने उन हिस्सों पर मराठी कभी नहीं थोपी। उन्होंने हम पर हिंदी थोपने का प्रयोग शुरू किया और यह परखने की कोशिश की कि अगर हम इसका विरोध नहीं करेंगे तो वे मुंबई को महाराष्ट्र से अलग कर देंगे।

तेज रफ्तार कार कॉलेज की दीवार से टकराई, दूल्हे समेत आठ लोगों की मौत

संभल, 05 जुलाई। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में शुक्रवार को बारातियों को ले जा रही बोलेरो एसयूवी के एक कॉलेज की दीवार से टकराने से 24 वर्षीय दूल्हे समेत एक ही परिवार के आठ सदस्यों की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना सुबह करीब 6:30 बजे जेवनई गांव में हुई। बताया जा रहा है कि बोलेरो तेज गति से जा रही थी, तभी जनता इंटर कॉलेज के पास चालक ने नियंत्रण खो दिया। वाहन बाउंड्री वॉल से टकराया और फिर पलट गया।

पुलिस ने बताया कि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गये और उनका उपचार अलीगढ़ के एक अस्पताल में जारी है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने बताया कि मृतकों की पहचान दूल्हे सूरज (24), उसकी भाभी आशा (26), आशा की बेटी ऐश्वर्या (तीन), सचिन (22), गणेश (एक), कोमल (18), मधु (20) और कार चालक रवि (28) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि देवा (24) और हिमांशी (दो) का इलाज जारी है। पुलिस के मुताबिक, देवा की हालत गंभीर है जबकि हिमांशी खतरे से बाहर है। अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिण) अनुकृति शर्मा ने शुक्रवार को बताया था, संभल जिले के जुनावई में एक एसयूवी अनियंत्रित होकर जनता इंटर कॉलेज की दीवार से टकरा गई। वाहन में दूल्हा समेत बाराती सवार थे।सूचना मिलने पर तत्काल बचाव कार्य शुरू किया गया। उन्होंने बताया कि पांच लोगों को मृत अवस्था में जुनावई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार की गति बहुत तेज थी और वह अनियंत्रित होकर दीवार से टकरा गयी। पुलिस के मुताबिक, कार में 10 लोग सवार थे और वे हरगोविंदपुर गांव से बदायूं जिले के सिरतौल जा रहे थे। इस बीच मुख्यमंत्री कार्यालय ने शुक्रवार रात को एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संभल जिले में सड़क दुर्घटना पर संज्ञान लिया है। उन्होंने मृतकों के शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने जिला अधिकारियों को घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाने और उनका उचित इलाज कराने के निर्देश दिए हैं।

पुंछ में आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़, हैंडग्रेनेड समेत हथियारों का जखीरा बरामद

कश्मीर, 05 जुलाई। जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती जिले पुंछ के सुरनकोट उपखंड में आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने हथगोले, गोला-बारूद और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की। यह बरामदगी बेहरामगला के पास मरहा इलाके में की गई, जहां सुरक्षा बलों ने संदिग्ध आतंकवादी गतिविधि को लक्षित करते हुए तलाशी अभियान शुरू किया था। अधिकारियों ने बताया कि अभियान के दौरान तीन हथगोले, बीस गोलियां, एक तार काटने वाला उपकरण, एक चाकू, चार्जिंग केबल और बैटरियां जब्त की गईं। आधिकारिक बयान में कहा गया है कि पुंछ पुलिस एसओजी और भारतीय सेना रोमियो फोर्स के संयुक्त आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान बेहराम गाला के पास मरहा में एक ठिकाने का भंडाफोड़ किया गया और तीन हथगोले, गोला-बारूद, वायर कटर, बैटरी, एक चाकू, बिजली के तार और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई। इलाके में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद यह अभियान शुरू किया गया था। अंतिम रिपोर्ट प्राप्त होने तक तलाशी अभियान अभी भी जारी था।

वहीं, जम्मू कश्मीर में किश्तवाड़ जिले के वन क्षेत्र में छिपे आतंकवादियों को पकड़ने के लिए सुरक्षा बलों का तलाशी अभियान शुक्रवार को तीसरे दिन भी जारी रही। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में घेराबंदी को मजबूत करने के लिए अतिरिक्त तैनाती की गई है। यह अभियान बुधवार को कुचल-चतरू के घने जंगलों वाले कंजल मांडू इलाके में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई मुठभेड़ के बाद शुरू किया गया। पुलिस ने सेना और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की सहायता से इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया सूचना के आधार पर देर शाम करीब सात बजकर 45 मिनट पर कुचल में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया।

सावन में दिखेगा बाबा के दरबार में भक्तों का सैलाब

- सावन में काशी: श्रद्धा, भीड़ और प्रशासनिक परीक्षा का संगम
- काशी का यह सावन श्रद्धा, सेवा और संतुलन का बने उदाहरण

सुरेश गांधी

वाराणसी। सावन के महीने में काशी विश्वनाथ धाम का दृश्य अद्भुत होता है। बाबा विश्वनाथ के प्रति अटूट श्रद्धा से खिंचे चले आते लाखों शिवभक्त, कांवड़ियों की आस्था और प्रशासन की कड़ी परीक्षा—यह तीनों इस माहौल को एक विशेष महत्व देते हैं। इस बार प्रशासन का वीआईपी दर्शन पर पूर्ण प्रतिबंध का निर्णय न केवल स्वागत योग्य है, बल्कि एक लोकतांत्रिक और जनभावनाओं के अनुरूप कदम भी है। इससे आम श्रद्धालु यह महसूस करेंगे कि बाबा के दरबार में सभी समान हैं। डिजिटल दर्शन और निःशुल्क ई-रिक्शा सेवाएं इस ओर संकेत करती हैं कि काशी विश्वनाथ धाम अब परंपरा और आधुनिकता का संतुलित मेल बन रहा है। साथ ही, खोया-पाया केंद्र, हेल्थ डेस्क और जलपान जैसी व्यवस्थाएं प्रशासन की संवेदनशीलता और व्यापक सोच को दर्शाती हैं। हालांकि, इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का प्रबंधन अपने आप में एक चुनौती होगी। यदि व्यवस्था में थोड़ी सी भी चूक हुई तो भीड़ प्रबंधन और यातायात नियंत्रण बड़ी समस्या बन सकते हैं। सावन के पहले सोमवार और नागपंचमी के दौरान विशेष सतर्कता अत्यंत

आवश्यक होगी। सावन में कांवड़ मार्गों को आरक्षित करना, पार्किंग व्यवस्था और कांवड़ियों की सहूलियतों पर दिया गया विशेष ध्यान इस बार की योजना की ताकत है। प्रशासन को चाहिए कि दलालों और फर्जी दर्शन कराने वालों के खिलाफ विशेष सतर्कता बरते ताकि श्रद्धालु ठगी का शिकार न हों। संपूर्ण व्यवस्था को ईमानदारी, सजगता और पारदर्शिता से लागू किया गया तो इस बार का सावन, बाबा की नगरी में एक ऐतिहासिक आयोजन के रूप में याद किया जाएगा। काशी प्रशासन इस बार सावन को एक अनुशासित, सुगठित और सुरक्षित शिवभक्ति पर्व के रूप में सम्पन्न कराने के लिए पूरी तरह तैयार है। जहां एक ओर काशी विश्वनाथ धाम में डिजिटल और आधुनिक सुविधाओं के साथ दर्शन की व्यवस्था बनाई जा रही है, वहीं कांवड़ियों के लिए विशेष रूट और विश्राम स्थलों को भी सुसज्जित किया जा रहा है। अब श्रद्धालुओं से भी अपेक्षा है कि वे प्रशासन के निर्देशों का पालन करें, संयम रखें और किसी भी अफवाह या दलाली से बचें। बाबा विश्वनाथ की नगरी में इस सावन का अनुभव हर किसी के लिए यादगार हो, यही प्रयास है।

सावन की शुरूआत से पहले काशी नगरी में प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां तेज हो गई हैं। बाबा विश्वनाथ के दरबार में लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ और कांवड़ यात्रा के दौरान काशी की सड़कों पर शिवभक्तों का रेला संभालने के लिए पुलिस, नगर निगम, स्वास्थ्य विभाग और अन्य प्रशासनिक इकाइयों ने अपनी कमर कस ली है।

तमिलनाडु चुनाव के लिए पलानीस्वामी ने भरी हुंकार

तमिलनाडु, 05 जुलाई। एआईएडीएमके महासचिव एडप्पादी के पलानीस्वामी ने शनिवार को चेन्नई स्थित पार्टी मुख्यालय एमजीआर मालिगई से एक नया लोगो और नारा जारी करके अपने 2026 के चुनाव अभियान की शुरूआत की। उन्होंने घोषणा की कि मक्कलाई कप्पोम, तमिजहागथाई मीटपोम (आइए लोगों की रक्षा करें, आइए तमिलनाडु को मुक्ति दिलाएं) शीर्षक से उनका राज्यव्यापी अभियान 7 जुलाई को कोयंबटूर से शुरू होगा, जो पहले चरण में आठ जिलों को कवर करेगा।

नए लॉन्च किए गए अभियान के लोगो में एआईएडीएमके के झंडे के साथ दो पत्ते, क्रांति का प्रतीक एक उठी हुई मुट्ठी और पुरात्ची तमिजहरिन एझुची पयानम और तमिलगाथई कप्पोम, मकलाई मीटपोम के नारे शामिल हैं, जो तमिलनाडु के लोगों की रक्षा और उत्थान के पार्टी के मिशन को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एडप्पादी पलानीस्वामी ने कहा कि पेरारिगनार अन्ना के पदचिन्हों पर चलते हुए, हमारे नेता एमजीआर और अम्मा ने लोगों के लिए अपना जीवन जिया है। एआईएडीएमके उसी का अनुसरण कर रही है और लोगों के कल्याण के लिए काम कर रही है।

मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पर तीखा कटाक्ष करते हुए पलानीस्वामी ने कहा, ₹मुख्यमंत्री एमके स्टालिन कहते हैं कि विपक्षी नेता अब केवल लोगों से मिल रहे हैं। लेकिन सीएम को लगता है कि वे मेरे बारे में बोल रहे हैं, लेकिन वास्तव में वे अपने बारे में बोल रहे हैं। मैं हमेशा लोगों के साथ रहता हूं। पलानीस्वामी ने स्पष्ट किया कि हालांकि यह एक अभियान यात्रा थी, लेकिन इसका राजनीतिक लक्ष्य कहीं अधिक बड़ा है। उन्होंने कहा, ₹हमारा लक्ष्य इस दुष्ट सरकार को हटाना है।₹ उन्होंने 2026 के राज्य चुनावों से पहले टकराव का स्वर भी दिखाया। उन्होंने आगे कहा, ₹डीएमके को हराने के लिए सभी समान विचारधारा वाली पार्टियों को एकजुट होना चाहिए। उन्हें हमारे अनुरोध को भी स्वीकार करना चाहिए, जो हमारी राय है।

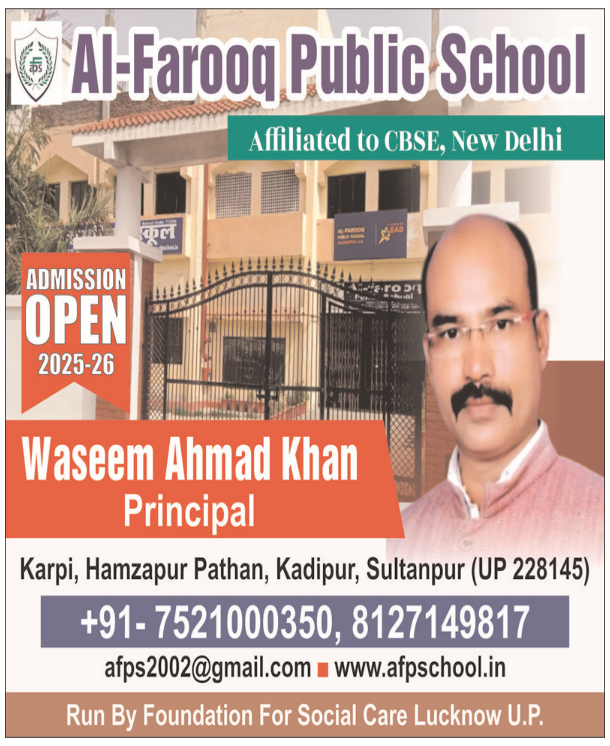

ठाकरे ब्रदर्स की सभा पर सीएम फडणवीस का पलटवार

मुंबई, 05 जुलाई। शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि उन्होंने संयुक्त रैली में 'रुदाली' जैसा भाषण दिया। उन्होंने मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे को दोनों चचेरे भाइयों को फिर से मिलाने का श्रेय देने के लिए धन्यवाद दिया। फडणवीस ने उद्धव पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि बालासाहेब ठाकरे मुझे आशीर्वाद दे रहे होंगे। मुझे बताया गया था कि यह एक 'विजय' रैली होनी थी, लेकिन यह एक 'रुदाली' भाषण निकला।

फडणवीस ने कहा कि इस कार्यक्रम में मराठी के बारे में एक शब्द भी नहीं बोला गया और उद्धव द्वारा दिया गया भाषण इस बात पर केंद्रित था कि उनकी सरकार कैसे गिराई गई और वे कैसे सत्ता हासिल कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, यह रैली विजय उत्सव नहीं बल्कि 'रुदाली' दर्शन थी। उन्होंने कहा कि 25 साल तक मुंबई नगर निगम पर शासन करने के बावजूद, वे (अविभाजित शिवसेना) विकास लाने में विफल रहे।

उन्होंने कहा कि इसके विपरीत, मोदी के नेतृत्व में, हमने मुंबई को बदल दिया है। हमने मराठी लोगों को बीडीडी और पात्रा चालों (टेनेमेंट) में उनके उचित घर दिए, जिससे उन्हें (उद्धव के नेतृत्व वाले) जलन होती थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें मराठी और हिंदू होने पर गर्व है।

नयी प्रौद्योगिकियां भारत की विकास गाथा को परिभाषित करेंगी: पीयूष गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि नयी प्रौद्योगिकियां आने वाले वर्षों में भारत की विकास गाथा को परिभाषित करेंगी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास एलुमनाई एसोसिएशन के संगम 2025 कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा,आपका विज्ञान, आपकी प्रौद्योगिकी, इस जीवंत स्टार्टअप पारिस्थितिकी, अनुसंधान एवं विकास तथा नवाचार के साथ मिलकर भारत के भविष्य की विकास गाथा को आकार देंगे।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए
सम्पर्क करे: 9199355950

बारिश का कहरः प्रकृति का विक्षोभ या विकास की विफलता?

-ललित गर्ग

बीते कुछ वर्षों में पहाड़ों में बारिश एवं बादल फटना अब डर, कहर और तबाही का पर्याय बन गई है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, और पूर्वोत्तर के अन्य पहाड़ी राज्यों में हर वर्ष मानसून के साथ भयावह भूस्खलन, बादल फटना, पुल बहना और सड़कें टूटना एक आम दृश्य बन गया है। यह केवल प्राकृतिक आपदा नहीं है, बल्कि एक व्यवस्थागत विफलता, सरकारी निर्माण की लापरवाही और अनियोजित विकास की पोल खोलने वाला यथार्थ है। निश्चय ही हाल के वर्षों में बारिश के पैटर्न में बदलाव आया है और बारिश की तीव्रता बढ़ी है। हर वर्ष जब मानसून की पहली बारिश पहाड़ों को भिगोती है, तो स्थानीय जनजीवन एक नई उम्मीद के साथ खिल उठता है। खेतों में हरियाली, नदियों में जल, और प्रकृति की शीतलता-मानसून एक उत्सव जैसा लगता है। लेकिन हालिया मानसूनी बारिश और मौसमी विक्षोभ की जुगलबंदी से हिमाचल के कई इलाकों में तबाही का जो भयावह मंजर उभरा, उसे हमें कुदरत के सबक के तौर पर देखना चाहिए। बड़ी संख्या में लोगों की मौत व लापता होने के साथ ही अरबों रुपये की निजी व सार्वजनिक संपत्ति का नुकसान हुआ है।

2023 और 2024 के मानसून ने हिमाचल और उत्तराखंड जैसे राज्यों में जो कहर बरपाया, वह केवल आँकड़ों में सीमित नहीं है। दर्जनों लोग मारे गए, सैकड़ों मकान जमींदोज हो गए, हजारों लोग बेघर हुए। हाइड्रो प्रोजेक्ट्स, सड़कों, सुरंगों और इमारतों के निर्माण ने जिस तरह से पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना के साथ छेड़छाड़ की, वह अब प्रकृति के प्रतिशोध का कारण बन रही है। उत्तराखंड में ऑल वेदर रोड, हिमाचल में सुरंगें और जल विद्युत परियोजनाएं-इन सभी ने विकास के नाम पर जिस प्रकार अंधाधुंध खुदाई और कटान किए हैं, उससे पर्वतीय क्षेत्र अपनी स्थायित्व खोते जा रहे हैं। वैज्ञानिक चेतावनियों के बावजूद कई निर्माण कार्यों में भूगर्भीय सर्वेक्षण की अनदेखी की गई। नतीजा यह हुआ कि हल्की-सी भारी बारिश में ही सड़कें धंस जाती हैं, इमारतें दरकने लगती हैं, और पूरा गाँव मलबे में दब जाता है। वास्तव, पहाड़ी इलाकों में अतिवृष्टि से आपदा का जो भयावह मंजर उभर रहा है, उसके मूल में सिर्फ जलवायु परिवर्तन ही मुख्य कारक नहीं है। दरअसल, इस तबाही के मूल में हमारी नाजुक हिमालयी पारिस्थिकीय तंत्र के प्रति बड़ी लापरवाही भी है। इस तथाकथित विकास के नाम पर हमने उन सीढ़ीनुमा रास्तों को दरकिनार कर दिया, जो पहाड़ों को मजबूती देते थे।

पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन कोई नई बात नहीं है, लेकिन हाल के वर्षों में इनकी तीव्रता और आवृत्ति में जबरदस्त वृद्धि देखी गई है। इसकी मुख्य वजहें हैं-अनियंत्रित पहाडों की कटिंग और खुदाई, बढ़ता भारी वाहन यातायात, जल निकासी की अव्यवस्था एवं वन क्षेत्र का अत्याधिक क्षरण। सरकारी निर्माण एजेंसियां अक्सर तय मानकों की अनदेखी करती हैं। निर्माण सामग्री घटिया होती है और मुनाफाखोरी के चक्कर में दीवारें और पुल बरसात में ताश के पत्तों की तरह ढह जाते हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) और पर्यावरण वैज्ञानिक लगातार चेताते रहे हैं कि हिमालयी क्षेत्र बेहद संवेदनशील हैं। फिर भी, निर्माण कार्यों के लिए भू-सर्वेक्षण, पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन (ईआईए) और जनसुनवाई की प्रक्रियाओं को या तो टाल दिया जाता है या खानापूर्ति भर की जाती है। चार धाम यात्रा मार्ग पर बनने वाली सड़क परियोजनाओं को सुप्रीम कोर्ट ने भी कई बार रोका और सुझाव दिए कि पहाड़ों को काटने की बजाय टनल या वैकल्पिक मार्ग बनाए जाएं, लेकिन जमीनी हकीकत इससे उलट है।

निश्चय ही पूरी दुनिया में ग्लोबल वॉर्मिंग के चलते मौसम के बिगड़े तेवर नजर आ रहे हैं, लेकिन पहाड़ों में जल-प्रलय सी आपदा का विनाश निश्चय ही भयावह है। वैज्ञानिकों को इस तथ्य पर गंभीरता से विचार करना चाहिए कि पहाड़ों में बादल फटने की घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि क्यों हुई है। इस साल की मानसूनी बारिश में मंडी जिले में बादल फटने की घटनाओं ने बुनियादी ढांचे, घरों, सड़कों और बगीचों को जिस तरह से नुकसान पहुंचाया है, उसने पहाड़ों में विकास के स्वरूप को लेकर फिर नये सिरे से बहस छेड़ दी है। राज्य के तमाम महत्वपूर्ण राजमार्ग भूस्खलन और अतिवृष्टि से बाधित रहे हैं। कांगड़ा घाटी में ऐतिहासिक रेल परिवहन को स्थगित करना पड़ा है। शिमला के पास एक बहुमंजिला इमारत के भरभरा कर गिरने के सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो ने भयभीत किया। जब बारिश आती है, तो केवल इमारतें और सड़कें नहीं ढहतीं, आम लोगों का जीवन भी उजड़ जाता है। लोग रातोंरात बेघर हो जाते हैं। स्कूल, अस्पताल, बिजली-पानी की सुविधाएं बंद हो जाती हैं। प्रशासनिक अमला अकसर घटनास्थल पर देर से पहुँचता है और राहत कार्यों में राजनीतिक रस्साकशी आड़े आ जाती है। राहत कैंपों में भोजन, शौचालय और दवाइयों की भारी कमी रहती है। जब किसी राज्य में बड़ी आपदा आती है, तभी मीडिया और नेताओं की नजर जाती है। हेलिकॉप्टर से निरीक्षण, मुआवजे की घोषणाएं, और हम साथ हैं जैसे बयान आते हैं। लेकिन जैसे ही मौसम सामान्य होता है, पीड़ितों की सुध लेने वाला कोई नहीं रहता। लंबे समय तक पुनर्वास और पुनर्निर्माण कार्य अधर में लटकते हैं।

निश्चय ही मौसम के मिजाज में तल्खी नजर आ रही है लेकिन इस संकट के मूल में कहीं न कहीं अवैज्ञानिक विकास, खराब आपदा प्रबंधन और निर्माण में पारिस्थितिकीय ज्ञान की उपेक्षा भी निहित है। जिसने इस संकट को और अधिक बढ़ाया है। दरअसल, पानी के प्रवाह के जो प्राकृतिक रास्ते थे, हमने उन पर बहुमंजिली इमारतें खड़ी कर दी हैं। हमने अपेक्षाकृत नयी हिमालयी पर्वतमालाओं पर इतना भारी-भरकम विकास व निर्माण लाद दिया कि वे इस बोझ को सहन नहीं कर पा रही हैं। निर्माण कार्य में स्थानीय पारंपरिक वास्तुकला और प्राकृतिक सामग्री का प्रयोग बढ़ाया जाए। भू-सर्वेक्षण और ईआईए को अनिवार्य किया जाए, हर निर्माण से पहले वैज्ञानिक स्तर पर जमीन की जाँच और पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन आवश्यक हो। वनों की अंधाधुंध कटाई को रोका जाए और जलग्रहण क्षेत्रों को पुनर्स्थापित किया जाए। गाँवों और कस्बों के स्थानीय लोगों को निर्णय प्रक्रिया में शामिल किया जाए ताकि निर्माण कार्य जमीनी जरूरतों और जोखिमों के अनुसार हो।

हिमालय को केवल भूगोल नहीं, अध्यात्म का स्रोत भी माना जाता है। यहाँ की नदियां, पहाड़ और घाटियां धार्मिक, सांस्कृतिक और भावनात्मक महत्व रखती हैं। जब इन स्थानों पर अंधाधुंध निर्माण होता है, तो केवल भू-आकृति नहीं, सांस्कृतिक चेतना भी नष्ट होती है। पर्वतीय जीवन में तबाही के पीछे केवल प्रकृति नहीं, हमारी नीति, नियत और विकास का वह मॉडल जिम्मेदार है जो केवल तात्कालिक लाभ और मुनाफे पर केंद्रित है। हम पहाड़ों को केवल पर्यटक स्थल या परियोजना-स्थल की दृष्टि से न देखें, बल्कि वहां के पर्यावरण, संस्कृति और जीवन पद्धति को समझें और संरक्षण का दायित्व लें। नहीं तो हर बारिश के साथ पहाड़ों से जीवन खिसकता जाएगा और एक दिन यह संकट केवल स्थानीय न रहकर राष्ट्रीय बन जाएगा। दरअसल, पहाड़ों की संवेदनशीलता को देखते हुए नये सिरे से निर्माण के मानक तय करने होंगे। वहीं दैनिक जल निकासी और बरसाती पानी के प्रवाह के लिये वैज्ञानिक ढंग से व्यवस्था करनी होगी। निश्चित रूप से पहाड़ों में लगातार बढ़ती जनसंख्या और बुनियादी ढांचे में पहाड़ की प्राथमिकताओं को नजरअंदाज करने की कीमत हम चुका रहे हैं। भविष्य में ऐसी आपदाओं को टालने के लिये अतीत के सबक सीखकर हमें विकास के नये मानक तय करने होंगे। ऐसा लगता है कि किसी का इस पर ध्यान ही नहीं कि यदि बुनियादी ढांचे से जुड़े निर्माण की गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया जाएगा तो जैसा हादसा मंडी अथवा शिमला में हुआ, वैसे हादसें होते ही रहेंगे और उनका दोष प्रकृति पर मढ़कर कर्तव्य की इतिश्री कर ली जाएगी। बात केवल हिमाचल की ही नहीं है, उत्तराखंड में भी कुछ स्थानों पर भूस्खलन होने से तीर्थयात्री संकट में पड़े हैं। इसका कोई मतलब नहीं कि हम बार-बार विकसित भारत की बात करें, लेकिन सरकारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की अनदेखी करें और मानक होते हुए भी उनका पालन न करें। इस तरह से तो हम विकसित देश नहीं बन सकते।

यदि कुपोषण की बढ़ती संख्या कम नहीं हुई, तो भविष्य डरावना होगा

अशोक भाटिया

अगर आप किसी समस्या के प्रति आंखें मूंद लेते हैं तो समस्या को उभरने में ज्यादा समय नहीं लगता। आप तब तक नहीं जागते जब तक आपको समस्या का एहसास न हो, समस्या आपके घर की दहलीज तक न आ जाए, जब तक कि समस्या आपको व्यक्तिगत नुकसान न पहुंचाए। समस्या को हल करने का प्रयास किया जाता है। एक तरफ प्रधानमंत्री मोदी भारत को +5 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनने के साथ दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाने का दावा करते रहते हैं, दूसरी तरफ भारत भूखे लोगों, कुपोषित बच्चों और एनीमिया से पीड़ित महिलाओं का देश बनता जा रहा है। हाल में ही संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) और यूनिसेफ सहित चार अन्य संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों द्वारा जारी इस साल की ह्यविश्व में खाद्य सुरक्षा और पोषण की स्थितिह्न (एसओएफटी) रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। इस रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 194.6 मिलियन (19.5 करोड़) कुपोषित लोग हैं झ्र जो दुनिया के किसी भी देश में सबसे ज्यादा है। इस रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि आधे से ज्यादा भारतीय 55.6% भारतीय याने कि 79 करोड़ लोग अभी भी ह्यपौष्टिक आहारह्न का खर्च उठाने में असमर्थ हैं। यह अनुपात दक्षिण एशिया में सबसे ज्यादा और चैकाने वाला है जो भारत के लिए एक चेतवानी है।

ग्लोबल हंगर इंडेक्स में भी भारत अपने पड़ोसी देशों नेपाल, बांग्लादेश, पाकिस्तान और श्रीलंका से भी सबसे निचले पायदान पर है, जिनकी अर्थव्यवस्था भारत से काफी छोटी है और जिन्हें भारत से गरीब माना जाता है। देश में 5 साल से कम उम्र के ऐसे बच्चों की संख्या में चिंताजनक वृद्धि हुई है, जिनका वजन उनकी लंबाई की तुलना में कम है। गौरतलब है कि भारत में इस समय पांच साल से कम उम्र के बच्चों में मृत्यु दर प्रति 1,000 बच्चों पर 37 है, जिसमें 69 फीसदी मौतें कुपोषण के कारण होती हैं, जो भयावह है। इस देश में 6 से 23 महीने की उम्र के केवल 42 फीसदी बच्चों को ही पर्याप्त अंतराल पर जरूरी भोजन मिल पाता है। हमारे देश में करीब 21 फीसदी बच्चे अपनी उम्र और लंबाई के हिसाब से कम वजन के हैं। भूख और कुपोषण का एक सामाजिक पहलू भी है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-4 के आंकड़ों के अनुसार, आदिवासियों और दलितों में कुपोषण की दर भारत में सबसे अधिक है, 5 वर्ष से कम आयु वर्ग के 44 प्रतिशत आदिवासी बच्चे कुपोषण के शिकार हैं।

भारत में कुपोषण पर संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट को चेतावनी के बतौर कार्रवाई देखा जाना चाहिए। सरकार के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वह विकास के सतही मापदंडों से अपना ध्यान हटाकर भूख की बुनियादी समस्या से निपटने पर केंद्रित करे। देश की आधी से ज्यादा आबादी ह्यपौष्टिक आहारह्न का खर्च उठाने में असमर्थ है। बच्चों में कम वजन और कम वजन वाले शिशुओं के मामले में भारत दुनिया में पहले स्थान पर है, और महिलाओं में एनीमिया के मामले में दक्षिण एशिया में पहले स्थान पर है।समस्या की गंभीरता के बारे में ताहो टूट गया है। यह हमारे देश में हर किसी की मानसिकता है। राज्य में कुपोषण के आंकड़े जारी होते ही कई लोगों की नींद उड़ गई है। ऐसा भी हुआ है। जब कुपोषण की समस्या का जिक्र होता है तो हर कोई मेलघाट या आदिवासी बस्तियों को देखता था। गूगल पर भी जब कुपोषण को कुपोषण कहा जाता है तो मेलघाट क्षेत्र की तस्वीरें दिखाई देती हैं। आज इस समस्या को हल करना संभव नहीं हो सकता है।राजनीतिक विचार-विमर्श के अलावा, राजनीतिक विवाद और राजनीतिक घटनाक्रम के अलावा हमारा ध्यान अपने देश, प्रदेश और स्थानीय निकायों की समस्याओं की ओर नहीं जाता। अगर कुपोषण की समस्या मेलघाट तक ही सीमित रहती, आदिवासी बस्तियों तक ही सीमित रहती, तो कुपोषण की इतनी चर्चा कोई नहीं करता। लेकिन आज कुपोषण की समस्या मेलघाट के दरवाजे को पार कर महाराष्ट्र के हर कोने में प्रवेश कर चुकी है। इस बीमारी ने न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में बल्कि शहरी क्षेत्रों में भी अपनी उपस्थिति दिखाना शुरू कर दिया है।

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई भी कुपोषण की चपेट में है। दस्तावेजों से पता चला है कि मुंबई में कुपोषण के मामलों की संख्या सबसे अधिक है, जिसके बाद कई लोगों की नींद उड़ गई है। बेशक, कुपोषण का प्रकोप स्वास्थ्य प्रणाली की विफलता है। आज प्रशासनिक एजेंसियों द्वारा कुपोषण की गंभीरता को न समझने के कारण कुपोषण की समस्या खड़ी हुई है। खुद राज्य सरकार ने विधानसभा सत्र में ही कुपोषण की बढ़ती दर को स्वीकार किया है।महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने विधानसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि राज्य में 1,82,443 कुपोषित बच्चे पाए गए हैं, जिनमें से 30,800 बच्चे गंभीर तीव्र कुपोषण की श्रेणी में हैं और 1,51,643 बच्चे मध्यम कुपोषित श्रेणी में हैं। धुले जिले में, 6,377 मध्यम कुपोषित हैं और 1,741 गंभीर रूप से कुपोषित हैं।

कुपोषण की समस्या भारत जैसे विकासशील देश के लिए कोई समस्या नहीं है, बल्कि केंद्र सरकार और उसकी राज्य सरकारों द्वारा इस पर गंभीरता से विचार करने की जरुरत हैं । देश पिछले कई वर्षों से बाल कुपोषण की गंभीर समस्या का सामना कर रहा है। देश के भविष्य के लिए मजबूत और स्वस्थ होना महत्वपूर्ण है। इसके लिए बच्चों को कम उम्र में अच्छा स्वस्थ और पौष्टिक भोजन प्राप्त करने की आवश्यकता होती है। लेकिन गरीबी के कारण लाखों बच्चों और माताओं को पौष्टिक भोजन नहीं मिल पा रहा है। कुपोषित पैदा होने वाले बच्चों का अनुपात अधिक है। इस संबंध में सरकार द्वारा सूचना के अधिकार कानून के तहत दिए गए हालिया आंकड़े चौंकाने वाले हैं और इससे साफ है कि देश में सबसे ज्यादा कुपोषित बच्चे महाराष्ट्र में हैं।केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अनुसार, देश में 33 लाख से अधिक कुपोषित बच्चे हैं, जिनमें से आधे से अधिक अत्यधिक कुपोषित हैं। महाराष्ट्र, बिहार और गुजरात में कुपोषित बच्चों की संख्या सबसे अधिक है।

कोरोना की वैश्विक महामारी के संकट के बाद कुपोषण की समस्या और गंभीर हो गई है। कोरोनावायरस महामारी से सभी सामाजिक-आर्थिक संकेतक नकारात्मक रूप से प्रभावित हुए हैं। इस दौरान स्कूलों में मिलने वाले मिड-डे मील को बंद करने से कई गरीब परिवारों के बच्चों में कुपोषण बढ़ा है। कुपोषण किसी भी बीमारी के अनुबंध के उच्च जोखिम से जुड़ा हुआ है। इसलिए बच्चों में कुपोषण की समस्या के समाधान के लिए गर्भावस्था से उपाय करना आवश्यक है। स्तनपान कराने वाली माताओं को भी पौष्टिक भोजन प्राप्त करने की आवश्यकता होती है।

इसके लिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि छह महीने के बच्चे को ठीक से स्तनपान हो और 5 साल की उम्र तक संतुलित पौष्टिक आहार हो। हमारे देश में गर्भावस्था और प्रसव के दौरान मां के पोषण के लिए कोई ठोस नीति नहीं है। लेकिन अभी भी इसे बढ़ावा देने पर सार्वजनिक प्रवचन की कमी है, उदाहरण के लिए पहले छह महीनों में विशेष स्तनपान और प्रभावी नर्सिंग की सुविधा प्रदान करना, और फिर स्तनपान के विकल्प के रूप में बच्चे को उपयुक्त हल्का ठोस आहार प्रदान करना।वास्तव में, शिशु देखभाल करने वालों को अक्सर यह नहीं पता होता है कि छह महीने से अधिक उम्र के बच्चे को कितना, कौन सा और कितना खिलाना है। इतना ही नहीं, लेकिन ठोस आहार शुरू करने के बाद भी स्तनपान जारी रखना चाहिए। छोटे बच्चों में मोटापा स्तनपान के बारे में सटीक जानकारी की कमी का परिणाम है। पोषक तत्वों की कमी और गैर-संचारी रोगों की संभावना बढ़ जाती है। पर्याप्त भोजन न मिलने के कारण माता-पिता अपने बच्चों के नुकसान से अनजान हैं।

राजनीतिक घटनाओं को दिए जाने वाले महत्व को अब रोकना होगा और बच्चों के पोषण पर गंभीरता से ध्यान देना होगा। देश की भावी पीढ़ी के बच्चे जो देश की भावी पीढ़ी हैं, कम उम्र में ही कुपोषित हो जाएं तो देश का भविष्य क्या होगा? हम सभी के लिए अब इस पर मंथन करना महत्वपूर्ण है। कुपोषित बच्चों की समस्या गरीबों के घरों में ही नहीं बल्कि अमीरों के घरों में भी देखी जा रही है। गभार्धान से पहले महिलाओं को आहार पर मार्गदर्शन दिया जाना चाहिए। यदि कुपोषण की बढ़ती संख्या कम नहीं हुई, तो भविष्य डरावना होगा। अतः मोदी सरकार के लिए प्रगति के सतही मापदंड से हटकर भूख के बुनियादी मुद्दे पर ध्यान देना अति आवश्यक है। भूख मिटाने के लिए हमें खेती के स्तर से शुरूआत करनी होगी। किसानों को उचित मूल्य और आर्थिक व्यवहार्यता से वंचित करना भूख और कुपोषण को बनाए रखेगा। कृषि में निवेश करके, किसानों के लिए उचित मूल्य सुनिश्चित करके और मजबूत कल्याण कार्यक्रमों को लागू करके, भारत एक ऐसे भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर सकता है, जहां प्रत्येक नागरिक को पौष्टिक भोजन उपलब्ध हो। इसके अलावा, केवल ऐसे कार्यक्रमों पर निर्भर रहना गरीबी उन्मूलन के जटिल मुद्दे को बहुत सरल बना देता है। सच्ची प्रगति के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है जो न केवल खाद्य सुरक्षा, बल्कि रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक सुरक्षा को भी संबोधित करता है। अंततः, इसके लिए नव-उदारवादी पूंजीवाद की बाधाओं से आगे बढ़कर अधिक न्यायसंगत और समावेशी आर्थिक मॉडल की ओर कदम उठाना होगा। भूख के खिलाफ लड़ाई सिर्फ एक जरूरत नहीं है। यह हमारा नैतिक दायित्व भी है।

मोहर्रम के दौरान ईरानी नेता खामनेई के कसीदे क्यों

-संजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ सहित कई जिलों और जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में हाल ही में दो घटनाएं एक जैसी घटीं, जिन्होंने देशभर में एक नई बहस छेड़ दी है। दरअसल, भारत में मोहर्रम के दौरान शिया समुदाय द्वारा इमाम हुसैन की शहादत को याद करने के लिए जुलूस, ताजिया और मातम का आयोजन किया जाता है। इस पवित्र महीने में मुसलमानों की धार्मिक भावनाएँ प्रबल होती हैं, और विशेष रूप से शिया समुदाय अपने धार्मिक गुरुओं को सम्मान देता है। ऐसे मौके पर अक्सर राजनीति को धर्म से दूर रखा जाता है,लेकिन हाल ही में, उत्तर प्रदेश के उन्नाव, लखनऊ सहित देश के कई राज्यों में मोहर्रम के दौरान ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के बैनर-पोस्टर लगाए गए,जिसको लेकर विवाद खड़ा हो गया है। सवाल पूछा जा रहा है कि जब इजरायल और ईरान के बीच संबंध बेहद तनावपूर्ण हैं और भारत दोनों देश के नेताओं को समझा-बूझा रहा है तब समाज का एक वर्ग किसी एक देश की सरकार के पक्ष में क्यों खड़ा दिखाई देता है। वह भी ऐसे मौके पर जब शिया मुलसमान इमाम हुसैन की शहादत को याद करके मातम बना रहे है।।यह तर्क दिया जा सकता है कि खामेनेई एक धार्मिक शख्सियत हैं,लेकिन इसके साथ-साथ सच्चाई यह भी है के वह इस समय सियासी रूप में नजर आ रहे हैं।

बहराल, उत्तर प्रदेश में तमाम जिलों के स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने इन पोस्टरों को हटाने का आदेश दिया, क्योंकि सार्वजनिक स्थानों पर विदेशी नेताओं की तस्वीरें लगाना नियमों के खिलाफ माना जाता है। कई लोगों का मानना है कि यह भारत की संप्रभुता और सामाजिक सौहार्द के लिए खतरा हो सकता है, खासकर जब ईरान-इजरायल संघर्ष की पृष्ठभूमि में इसे राजनीतिक समर्थन के रूप में देखा जाता है। उन्नाव में पुलिस ने शांति बनाए रखने के लिए पोस्टर हटवाए, जिस पर शिया संगठनों ने नाराजगी जताई। मौलाना यासूब अब्बास जैसे धर्मगुरुओं ने इसे धार्मिक भावनाओं पर हमला बताया, जबकि प्रशासन का कहना था कि यह कदम सामुदायिक तनाव को रोकने के लिए जरूरी था।

गौरतलब हो, धर्म के नाम कुछ शिया मुसलमान जो कर रहे हैं उसके चलते भारत-इजरायल के पुराने संबंधों भी प्रभावित हो सकते हैं। कुछ लोग इसे वैचारिक प्रदर्शन मानते हैं, जो इमाम हुसैन के अन्याय के खिलाफ संघर्ष को दशार्ता है। फिर भी, भारत जैसे बहु-सांस्कृतिक देश में ऐसी गतिविधियां सावधानी बरतने की मांग करती हैं, ताकि सामाजिक एकता बनी रहे। लखनऊ में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई का पोस्टर लगाए जाने और श्रीनगर में मुहर्रम के दौरान आतंकी संगठन हिज्बुल्लाह के झंडे लहराए जाने की घटनाएं न केवल राष्ट्रीय स्तर पर बल्कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति के दायरे में भी चर्चा का विषय बन गई हैं। इन घटनाओं ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या धार्मिक आस्था की आड़ में भारत जैसे धर्मनिरपेक्ष देश में विदेशी एजेंडा पनप रहा है? लखनऊ के अवध पॉइंट स्थित शिया धर्मगुरु मौलाना यासूब अब्बास के आवास,शिया डिग्री कालेज, विक्टोरिया स्ट्रीट आदि कुछ स्थानों पर जब अयातुल्ला खामेनेई के बड़े-बड़े पोस्टर लगाये गये, तब कई लोगों ने इसे सामान्य धार्मिक परंपरा माना। मौलाना यासूब ने सफाई दी कि हर साल की तरह इस बार भी हैदरी टास्क फोर्स की ओर से ये पोस्टर लगाए गए हैं। बहरहाल, शिया धर्मगुरूओं को यही लगता है कि खामेनेई शिया समुदाय के लिए एक धार्मिक गुरु हैं, इसलिए इसमें कोई राजनीतिक एजेंडा नहीं है। लेकिन इस बार मामला इसलिए खास बन गया क्योंकि यह पोस्टर ऐसे समय लगाया गया, जब ईरान और इजरायल के बीच 12 दिन तक भयंकर संघर्ष चला। ऐसे में जब भारत में किसी ऐसे देश के सर्वोच्च नेता की सार्वजनिक तस्वीरें सामने आती हैं, जो खुद को इजरायल का शत्रु घोषित करता है, तो विवाद होना लाजिमी था। इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं आईं। कई लोगों ने पूछा कि जब भारत की सरकार किसी भी वैश्विक संघर्ष में निष्पक्ष भूमिका अपनाने की नीति पर चल रही है, तब भारत की सड़कों पर विदेशी नेताओं के प्रचार की आवश्यकता क्या है?क्या यह धार्मिक भावनाओं की अभिव्यक्ति है या भारत में विदेशी राजनैतिक विचारधाराओं के लिए जमीन तैयार करने की एक कोशिश? यह सवाल और गंभीर हो जाता है कि क्या भारत की धार्मिक स्वतंत्रता का दायरा इतना बड़ा है कि उसके भीतर दूसरे देशों की राजनीति को भी छिपने की जगह मिल जाए? क्या धर्म के नाम पर कोई भी समूह किसी विदेशी नेता के लिए समर्थन जुटा सकता है, भले ही उसका भारत से कोई लेना-देना न हो?

इस घटना के बाद उत्तर प्रदेश की खुफिया एजेंसियां सतर्क हो गईं। प्रशासन ने उन इलाकों में निगरानी बढ़ा दी जहां शिया आबादी अधिक है। अधिकारियों ने सार्वजनिक रूप से कुछ नहीं कहा लेकिन सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अंदरखाने गंभीरता देखी गई। इससे पहले भी जब इजरायल ने ईरान पर हमला किया था, तब मौलाना यासूब अब्बास के नेतृत्व में लखनऊ में प्रदर्शन हुए थे। उस समय इजरायल और अमेरिका के नेताओं के पोस्टर जलाए गए थे और भारत सरकार से ईरान के समर्थन की मांग की गई थी।इस पूरे मामले को तब और तूल मिला जब श्रीनगर की सड़कों पर मुहर्रम के दौरान हिज्बुल्लाह और फिलिस्तीन के झंडे दिखाई दिए। इन झंडों को लेकर न केवल मीडिया में बल्कि प्रशासनिक हलकों में भी चिंता बढ़ गई। यह पहला मौका नहीं है जब श्रीनगर के शिया मुसलमानों ने इस प्रकार की राजनीतिक अभिव्यक्तियाँ की हों, लेकिन इस बार यह खुलेआम और संगठित रूप से हुआ। हिज्बुल्लाह के प्रमुख हसन नसरल्लाह और अयातुल्ला खामेनेई के पोस्टर लेकर जुलूस में नारे लगाए गए।हिज्बुल्लाह एक लेबनानी शिया आतंकी संगठन है, जिसे अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी और खाड़ी के कई देशों ने आतंकी संगठन घोषित कर रखा है। 1983 में बेरूत में अमेरिकी मरीन बैरक पर हमला, 1985 में एक विमान का अपहरण और 1994 में अर्जेंटीना में यहूदी केंद्र पर हमला कृ ये सभी हमले इसी संगठन के नाम हैं। हिज्बुल्लाह ईरान समर्थित संगठन है और इसका मकसद इजरायल को मिटाना बताया गया है। भारत से इसका कोई सीधा नाता नहीं है, फिर भी श्रीनगर के कुछ शिया समूह इसे अपना प्रतिनिधि मानते हैं।इस समर्थन का आधार धार्मिक है। शिया मुसलमानों की मान्यता है कि मुहर्रम में इमाम हुसैन ने यजीद के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी और अब इजरायल को आधुनिक यजीद बताया जा रहा है। हिज्बुल्लाह को 'हुसैनी फौज' की तरह पेश किया जा रहा है, जो इजरायल से लड़ रहा है। इस विचारधारा के मुताबिक हसन नसरल्लाह जैसे नेता आज के दौर में इमाम हुसैन की तरह हैं, जो श्जालिम ताकतोंश से लड़ रहे हैं। यही कारण है कि इनका समर्थन सिर्फ धार्मिक नहीं, बल्कि राजनीतिक और वैचारिक स्तर पर भी हो रहा है।लेकिन सवाल उठता है कि क्या इस प्रकार की भावनाएं भारत की राष्ट्रीय अखंडता के लिए खतरा बन सकती हैं? धार्मिक आयोजन अगर वैश्विक राजनीतिक संघर्षों का मंच बनने लगें तो भारत की गंगा-जमुनी तहजीब को गंभीर चोट पहुँच सकती है। इससे पहले भी श्रीनगर में हमास और फिलिस्तीन के समर्थन में नारे लग चुके हैं। ऐसे माहौल में जब भारत के युवा वैश्विक इंटरनेट पर धार्मिक कट्टरता की ओर आकर्षित हो रहे हैं, तब इन जुलूसों के माध्यम से उन्हें अप्रत्यक्ष रूप से कट्टरता के लिए प्रेरित किया जा सकता है।सरकार और खुफिया एजेंसियों को अब यह सोचना होगा कि धार्मिक स्वतंत्रता और राष्ट्र हित के बीच संतुलन कैसे साधा जाए। धार्मिक आयोजन और जुलूसों पर नजर रखना अब केवल सांप्रदायिक तनाव से बचने के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी जरूरी हो गया है। अगर कोई धार्मिक समूह विदेशी आतंकी संगठन के झंडे लहराता है, तो यह केवल धार्मिक भावना नहीं, बल्कि भारत की संप्रभुता के लिए सीधा खतरा है।सरकार को चाहिए कि वह स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करे कि धार्मिक आयोजनों में विदेशी नेताओं, संगठनों या झंडों का प्रदर्शन प्रतिबंधित हो। धार्मिक नेताओं को भी यह जिम्मेदारी लेनी चाहिए कि वे धार्मिक आयोजनों को राजनीतिक रंग न दें। धर्म और राजनीति का मिश्रण एक ऐसा विस्फोटक मेल है जो समाज की जड़ों को हिला सकता है।यह भी आवश्यक है कि मुस्लिम समुदाय के भीतर से ही इस प्रकार की गतिविधियों का विरोध हो। भारत में अधिकांश मुसलमान देशभक्त हैं और भारत के संविधान में विश्वास रखते हैं। लेकिन जब कुछ कट्टरपंथी तत्व समुदाय की आड़ में विदेशी संगठनों का समर्थन करते हैं, तो इससे पूरे समुदाय की छवि धूमिल होती है।मीडिया, सामाजिक संगठनों और शिक्षाविदों को भी आगे आकर यह बहस छेड़नी चाहिए कि धार्मिक आयोजनों को वैश्विक राजनीतिक संघर्षों से दूर कैसे रखा जाए। मुहर्रम या किसी भी धार्मिक आयोजन का उद्देश्य भक्ति, शोक, और आत्मचिंतन होना चाहिए, न कि अंतरराष्ट्रीय सियासत का समर्थन।लखनऊ और श्रीनगर की घटनाएं केवल स्थानीय घटनाएं नहीं हैं, बल्कि यह भारत की सामाजिक संरचना, धार्मिक स्वतंत्रता और सुरक्षा नीति के लिए एक चेतावनी हैं। अगर अभी ध्यान नहीं दिया गया, तो यह प्रवृत्ति भविष्य में और गहरी जड़ें जमा सकती है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि भारत की धरती पर विदेशी झंडे नहीं, बल्कि केवल भारतीयता की पहचान फहराए।

साथ आये उद्धव-राज ठाकरे की मराठी मानुषों पर सियासी नजर

-अजय कुमार

महाराष्ट्र की राजनीति में बड़ा खेला हुआ है। दशकों से सियासत की दुनिया में एक-दूसरे के दुश्मन बने दो भाई एक हो गये हैं। बात राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के साथ आने की हो रही है। दोनों भाइयों ने एक साथ आने पर एक सुर में प्रतिक्रिया व्यक्त की। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने कहाकि जो बाल साहब ठाकरे नहीं कर सके, वह आज देवेंद्र फडणवीस ने कर दिया। उन्होंने हम दोनों भाइयों को साथ खड़ा कर दिया। वहीं, इस मौके पर उद्धव ठाकरे ने भी राज ठाकरे के सुर में सुर मिलाया। उन्होंने कहा कि हम क्या कहते हैं, इससे ज्यादा जरूरी है यह है कि हम साथ हैं। हम साथ आए हैं और साथ ही रहेंगे। हमें इस्तेमाल करके फेंकने वालों को अब हम फेंकेंगे।

इस मौके पर दोनों ने कई मुद्दो पर अपनी प्रतिक्रिया दीं। उद्धव ठाकरे ने एकनाथ शिंदे पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आपने हमें बहुत इस्तेमाल कर लिया है। अगर आपके पास बालासाहेब ठाकरे का समर्थन न होता तो आपको महाराष्ट्र में कौन जानता? आप हमें हिंदुत्व सिखाने वाले हैं कौन? उद्धव ने कहा कि जब मुंबई में दंगे हो रहे थे मराठा लोगों ने महाराष्ट्र में सभी हिंदुओं को बचाया था, चाहे वो कोई भी होंगे। अगर आप विरोध के लिए, न्याय पाने के लिए लड़ रहे मराठी लोगों को गुंडा कह रहे हैं तो ठीक है, हम गुंडा हैं।इससे पहले इस मौके पर राज ठाकरे ने कहा कि हिंदी अच्छी भाषा है। हमें हिंदी अच्छी लगती है। सारी भाषाएं अच्छी हैं। लेकिन हिंदी भाषा को थोपा जाना बर्दाश्त नहीं। राज ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार ने मराठी लोगों की मजबूत एकता के कारण त्रिभाषा फामूर्ले पर फैसला वापस लिया। त्रिभाषा फामूर्ला पर फैसला मुंबई को महाराष्ट्र से अलग करने की साजिश का मुख्य हिस्सा था।महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे ने केंद्र सरकार पर कथित रूप से देशभर में हिंदी थोपने को लेकर जमकर निशाना साधा। उन्होंने न सिर्फ शिक्षा व्यवस्था में बदलाव की आलोचना की, बल्कि भारतीय जनता पार्टी (को भी उसकी हिंदुत्व की परिभाषा पर सवालों के घेरे में खड़ा किया। राज ठाकरे ने लाल कृष्ण आडवाणी का उदाहरण देते हुए कहा, एलके आडवाणी मिशनरी स्कूल में पढ़े हैं। क्या वह कम हिंदू हो गए? राज ठाकरे ने आगे कहा कि भाषा का व्यक्ति से क्या लेना-देना? उन्होंने कहाकि बालासाहेब ठाकरे और मेरे पिता श्रीकांत ठाकरे ने इंग्लिश मीडियम में पढ़ाई की। बालासाहेब ठाकरे ने अंग्रेजी स्कूल में पढ़ाई की, अंग्रेजी अखबार में काम किया लेकिन मराठी को लेकर कभी समझौता नहीं किया। दक्षिण भारत के कई राजनीतिक नेता और फिल्मी हस्तियां अंग्रेजी विद्यालयों में पढ़ी, लेकिन उन्हें तमिल और तेलुगु भाषा पर गर्व है। लालकृष्ण आडवाणी ने सेंट पैट्रिक हाईस्कूल में पढ़ाई की, जो एक मिशनरी स्कूल था, लेकिन उनके हिंदुत्व पर शक कर सकते हैं? मनसे प्रमुख ने कहाकि महाराष्ट्र से बड़ा कोई मुद्दा नहीं है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के लिए जो कर सकते हैं करेंगे। राज ठाकरे ने इस दौरान कहा कि भाषा के बाद यह लोग जाति की राजनीति करेंगे। उन्होंने कहा कि ये मराठी लोगों को कभी एक साथ नहीं आने देंगे। राज ठाकरे ने कहाकि हिंदी बोलने वाले राज्य आर्थिक रूप से पिछड़े हुए हैं। लोग वहां से भागकर गैर हिंदी भाषी प्रदेशों की तरफ आ रहे हैं।

राज ठाकरे ने आगे कहा कि यह लोग बस वोट के लिए ऐसा कर रहे हैं। अगर हिंदी लागू करने का यह फैसला चुपचाप स्वीकार कर लिया जाता तो आगे यह लोग अगले कदम के रूप में मुंबई को महाराष्ट्र से अलग कर देते। उन्होंने कहा कि हिंदी भाषी राज्यों पर कई साल तक मराठा शासन रहा। लेकिन क्या वहां पर कभी हमने मराठी लागू करने की कोशिश की? राज ठाकरे ने तंज करते हुए कहाकि मंत्रियों की हिंदी सुनोगे तो गिर पड़ोगे। कुल मिलाकर दोनों नेता हिन्दी और महाराष्ट्र में काम धंधा करने वाले यूपी-बिहार के हिन्दी बोलने वाले लोगों का विरोध करके मराठी मानुष के वोट को साधने की कोशिश करते नजर आये।

आर्या ओम्निटॉक द्वारा भारत में मोटोरोला के ह्यहैलो स्मार्ट सेंसर प्रस्तुत

मुंबई। भारत में एक विश्वसनीय संचार और सुरक्षा समाधान प्रदाता कंपनी, आर्या ओम्निटॉक ने हाल ही में देशभर में मोटोरोला के हैलो स्मार्ट सेंसर प्रस्तुत किए हैं। ये हैलो स्मार्ट सेंसर उन्नत इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) आधारित, गैर-हस्तक्षेपकारी, स्मार्ट निगरानी प्रणाली का समाधान हैं। इस प्रस्तुतिकरण के साथ, आर्या ओम्निटॉक भारत में हैलो स्मार्ट सेंसर की प्रमुख वितरक बन गए है। यह कदम विभिन्न उद्योगों में गोपनीयता से समझौता किए बिना सुरक्षा उपायों के क्रियान्वयन का एक नया मार्ग प्रशस्त करता है। पारंपरिक प्रणालियों से भिन्न, हैलो स्मार्ट सेंसर ऐसे डिजाइन किए गए हैं जो गोपनीयता से समझौता किए बिना सटीक सुरक्षा सुनिश्चित करें। इन सेंसरों में अत्याधुनिक तकनीक लगी है जो ऑडियो या वीडियो रिकॉर्डिंग के बिना निगरानी कर सकती है और वास्तविक समय में संकेत दे सकती है। इसलिए ये सेंसर स्कूलों के शौचालयों, अस्पतालों के वार्ड, हॉस्टल, होटल के कमरे और उत्पादन इकाइयों जैसे स्थानों पर अत्यंत उपयोगी साबित होते हैं। आर्या ओम्निटॉक और सिंटेल बाय अरविंद के सीईओ परेश शेट्टी ने कहा, स्मार्ट, अनुपालनशील और गोपनीयता-केंद्रित वातावरण के निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का सबसे उत्तम उदाहरण है मोटोरोला का हैलो स्मार्ट सेंसर। यह प्रस्तुति भारत की डिजिटल बुनियादी ढांचा लक्ष्यों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे हम बुद्धिमान और हस्तक्षेप न करने वाली सुरक्षा और निगरानी समाधान प्रदान कर सकेंगे। नवीनतम तकनीक पर आधारित यह छोटा-सा उपकरण १६ एकीकृत सेंसरों से युक्त है, जो पर्यावरणीय और सुरक्षा से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों के प्रति अत्यंत संवेदनशील है। इन सेंसरों द्वारा वायु गुणवत्ता से संबंधित संकेत जैसे कार्बन मोनोऑक्साइड (सीओ), कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ2), नाइट्रोजन डाइऑक्साइड (एनओ2), कुछ ज्वलनशील कार्बनिक यौगिक (टीवीओसी), और आर्द्रता मापे जा सकते हैं। साथ ही गोली चलने की आवाज, आक्रामक बातचीत, पैनिक कीवर्ड, गति, उपस्थिति में बदलाव, वेपिंग (इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट) और टीएचसी जैसे सुरक्षा संबंधी संकेत भी प्रदान किए जाते हैं। इसके अतिरिक्त, ये शक्तिशाली सेंसर पावर ओवर ईथरनेट (पीओई) पर काम करते हैं, जिससे इनकी कार्यक्षमता और विस्तार की क्षमता और अधिक बढ़ जाती है। ये क्लाउड और एज प्रोसेसिंग के लिए उपयुक्त हैं और इन्हें एक सुरक्षित ब्राउजर-आधारित इंटरफेस के माध्यम से आसानी से संचालित किया जा सकता है। हैलो स्मार्ट सेंसर का डिजाइन भारत में बदलते संस्थागत विनियमों के अनुकूल है। ये सेंसर नैक (एनएएसी) द्वारा निर्धारित सुरक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे और स्वच्छता से संबंधित मानदंडों का पालन करते हैं। डिजिटल रूप से सशक्त, समावेशी और शिक्षण-अनुकूल परिसरों के निर्माण हेतु यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी २०२०) के भी अनुरूप है। औद्योगिक और सुविधा-संबंधी सुरक्षा, पर्यावरण निगरानी और आपातकालीन तैयारी में भी हैलो स्मार्ट सेंसर उपयोगी हैं। आर्या ओम्निटॉक मोटोरोला के हैलो स्मार्ट सेंसर को भारतभर में उपलब्ध करा रही है, जिनका उपयोग शैक्षणिक संस्थानों, स्वास्थ्य सुविधाओं, निर्माण इकाइयों, हॉस्पिटैलिटी और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, साथ ही सार्वजनिक बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में किया जा सकता है। इसके जरिए कंपनी सुरक्षा, गोपनीयता और दक्षता के संतुलन वाली नवीनतम समाधान पद्धतियों को बढ़ावा दे रही है।

मिवि ने भारत में एआई बड्स की शुरूआत की

मुंबई। भारतीय कंपनी मिवि ने एक नया तकनीकी प्रोडक्ट मिवि एआई बड्स लॉन्च किया है। ये बड्स शानदार आवाज के साथ-साथ एक ऐसे एआई एक्सपीरियंस के साथ आते हैं, जो इंसान की तरह बात करता है। ये पूरी तरह से भारत में बने हैं और बिना स्क्रीन के आसान बातचीत का अनुभव देते हैं। ये एआई बड्स 4 जुलाई 2025 से फ्लिपकार्ट और मिवि के वेबसाइट पर सिर्फ 6999 रुपये में मिलेंगे। ये बड्स सामान्य एआई से अलग हैं। ये आपकी बात को याद रखते हैं, आपकी पसंद को समझते हैं और इंसान की तरह जवाब देते हैं। आप इनसे नौकरी के इंटरव्यू की तैयारी, खाना बनाने की टिप्स या किसी भी सवाल का जवाब ले सकते हैं। ये 8 भारतीय भाषाओं हिंदी, तमिल, तेलुगु, बंगाली, मराठी, कन्नड़, मलयालम और गुजराती में कम्युनिकेट करते हैं, वो भी बिना सेटिंग बदले। मिवि की सह-संस्थापक मिधुला देवभक्तुनी ने कहा, मिवी एआई बड्स के साथ हम एक नया प्रोडक्ट नहीं, बल्कि एआई के साथ बातचीत का नया तरीका ला रहे हैं। यह भारत के लिए गर्व का पल है। ये बड्स स्मार्ट और सेंसिटिव हैं। हम इस बदलाव का नेतृत्व कर रहे हैं। भारत सरकार के 2000 करोड़ रुपये के एआई निवेश के साथ मिवि का यह प्रोडक्ट भारत को दुनिया में एआई का बड़ा खिलाड़ी बनाता है। मिवि का डिजाइन बढ़िया है जो कान में आरामदायक और स्टाइलिश है। हाई मिवि कहकर शुरू करें और इंसान जैसी बातचीत कर सकते हैं। गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध मिवि एआई ऐप से आप आवाज को अपनी पसंद के हिसाब से सेट कर सकते हैं। मिवी एआई में कई खास अवतार हैं, जो अलग-अलग कामों में मदद करते हैं। गुरु अवतार किसी भी सवाल का आसान जवाब देता है, जैसे अंतरिक्ष, इतिहास या रोजमर्रा की बातें। इंटरव्यूअर अवतार इंटरव्यू की तैयारी में मदद करता है और आत्मविश्वास बढ़ाता है। शेफ अवतार खाना बनाने में स्टेप-बाय-स्टेप गाइड करता है और सामग्री के विकल्प सुझाता है। वेलनेस कोच अवतार तनाव या खुशी में आपकी बात सुनता है और बिना जजमेंट के सपोर्ट करता है। न्यूज रिपोर्टर अवतार आपकी पसंद की खबरें, जैसे खेल या विश्व समाचार, आसान भाषा में बताता है। मिवि में हाई-रेज ऑडियो और एलडीएसी साफ और शानदार आवाज प्रदान करता है। 3डी साउंड और स्पैटियल ऑडियो गहरा और मजेदार ऑडियो अनुभव देता है। क्वाड माइक एनसी कॉल में साफ आवाज और बाहर के शोर को कम करता है। इसमें 40 घंटे की बैटरी बिना रुके लंबा उपयोग प्रदान करती है।

पीएनबी ने आकर्षक पेशकशों और रियायतों के साथ मॉनसून बोनान्जा 2025 रिटेल ऋण अभियान आरंभ किया

मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र में भारत के प्रमुख बैंक, पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) ने 01 जुलाई 2025 की प्रभावी तिथि से पीएनबी मानसून बोनान्जा 2025 रिटेल ऋण अभियान लॉन्च किया है। इस अभियान का उद्देश्य आवास ऋणों, कार ऋणों व अन्य रिटेल ऋण के क्षेत्रों में बेहतर ग्राहक अनुभव के साथ लक्षित ऑफरों के माध्यम से रिटेल ऋण की वृद्धि को बढ़ावा देना है। अभियान की अवधि के दौरान पीएनबी ग्राहकों के लिए ऋण को अधिक किफायती बनाने के लिए कई आकर्षक लाभ प्रदान करेगा।

आवास ऋण एवं कार ऋण: प्रसंस्करण शुल्क एवं दस्तावेजीकरण प्रभार में पूर्ण रियायत 50 लाख से अधिक के आवास ऋण अधिग्रहण के लिए एनईसी/विधि एवं मूल्यांकन प्रभार बैंक द्वारा वहन किया जाएगा।

अतिरिक्त लाभः आवास ऋणों एवं कार ऋणों दोनों में कार्ड रेट पर 5 आधार अंकों की कमी की विशेष रियायत श्री सुबोध कुमार, महाप्रबंधक, आर.ए.बी.डी., पीएनबी ने कहा, हमारे 'पीएनबी मॉनसून बोनान्जा 2025' अभियान के माध्यम से हम अपने ग्राहकों के लिए ऋण को अधिक सुलभ और किफायती बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

काशीगांव पुलिस ने ठग ढोंगी बाबा को किया गिरफ्तार

तारकेश्वर पांडेय

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड काशीगांव पुलिस स्टेशन की अपराध दमन शाखा ने सराय भोंदू बाबा को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है,जो जादू टोना के नाम पर अपना कारोबार चलता था। शिकायतकर्ता पर जादू-टोना करके, घर से छिपा हुआ धन निकालकर,उसके पति की शराब की लत को ठीक करने और उसकी जान बचाने का वादा करके उसे धोखा दे रहा था।

शिकायतकर्ता रूपाली संजय निराटकर, उम्र-35 वर्ष, व्यवसायः हाउसकीपर, जनता नगर झुग्गी बस्ती, धवले चाल, काशीगांव, मीरा रोड पूर्व, तालुका ठाणे में रहती है, उन्होंने 01.07.2025 को शिकायत दर्ज कराई कि अप्रैल 2025 में अयोध्या प्रसाद गिरी नामक महाराज शिकायतकर्ता के घर के सामने किराए पर रहने आए। उनसे परिचय होने के बाद उन्होंने शिकायतकर्ता को उसके पति और देवर की शराब की लत छुड़ाने की दवा दी। उन्होंने यह भी कहा कि वे तंत्र मंत्र के जानकार हैं और वे जादू से इलाज करके पीड़ितों को ठीक करते हैं। अयोध्या प्रसाद गिरी महाराज ने शिकायतकर्ता का विश्वास हासिल कर लिया था।

महाराज अयोध्याप्रसाद ने शिकायतकर्ता से कहा कि, तुम्हारे पति की मृत्यु आठ दिन में होने वाली है। उन्होंने धमकी दी थी कि वह तभी जीवित रहेंगे जब उन्हें उनके लिए पूजा करनी होगी। इसके लिए उन्होंने कहा था कि उन्हें पूजा के लिए

5,00,000/- रुपए खर्च करने होंगे और घर में मालिक से सोने के गहने इकट्ठा करके पूजा करनी होगी।

दिनांक 14.05.2025 की रात्रि में चाली के कमरा क्रमांक 05 में जहां अयोध्या प्रसाद महाराज रहते थे, वहां पर परिवादिया व उसका पति रात्रि करीब 08.00 बजे गए। अयोध्या प्रसाद गिरी अपने कमरे में पूजा कर रहे थे। पूजा करते समय महाराज मंत्रोच्चार कर परिवादिया को ऐसा दिखा रहे थे कि जैसे भगवान उनके सामने आ गए हैं। उस समय जैसा कि अयोध्या प्रसाद ने परिवादिया को बताया था, परिवादिया ने यह उम्मीद करते हुए कि उसके पति की जान बच जाएगी तथा उसके भाई की शराब की लत छूट जाएगी, अयोध्या प्रसाद से 2,70,000/- रुपए की राशि एकत्रित की तथा घर की सभी महिलाओं के कुल 84 ग्राम सोने के आभूषण एकत्रित कर काले कपड़े में बांधकर अयोध्या प्रसाद को दे दिए। उसके बाद अयोध्या प्रसाद ने परिवादिया को बताया कि सोना व नकदी बक्से में रखे हैं, यदि उससे पहले बक्सा खोला तो तुम्हारा सोना व पैसा गायब हो जाएगा, तथा मंत्र उपचार का कोई फायदा नहीं होगा। साथ ही यह कमरा 45 दिन के लिए बंद रहेगा। मैं अगली पूजा करने के लिए अपने गुरुस्थान पर जाऊँगा और कमरे में प्रवेश नहीं करूँगा। मैं 45 दिन बाद इसी स्थान पर प्रकट होऊँगा और पूजा में मिले सोने के आभूषण और नकदी लौटा दूँगा। यदि वे सोने के आभूषण उनके अपने लोग पहन लें, तो तुम्हारे सभी पिछले कष्ट, पितृदोष, भूत-प्रेत नष्ट हो जाएँगा, और तुम्हें सुख-समृद्धि मिलेगी। अयोध्याप्रसाद गुरु के पास गया।वह जाने की बात कहकर निकला था। कुछ दिन बाद शिकायतकर्ता को अयोध्याप्रसाद महाराज पर शक हुआ और जब उसने कमरे में बक्से खोलकर चेक किए तो बक्सों में शिकायतकर्ता के सोने के गहने और नकदी नहीं मिली। उस समय उसे यकीन हो गया था कि अयोध्याप्रसाद गिरी ने शिकायतकर्ता को छिपा हुआ पैसा निकालने और शराब पिलाने का लालच देकर धोखा दिया है। शिकायतकर्ता की शिकायत वरुण अयोध्याप्रसाद गिरी के खिलाफ काशीगांव पुलिस स्टेशन में महाराष्ट्र मानव बलि और अन्य अमानवीय, अपवित्र और अघोरी प्रथाओं और जादू टोना अधिनियम, 2013 की धारा 3 (2) के तहत मामला दर्ज किया गया था।

समरस फाउंडेशन द्वारा दो सेवानिवृत प्रधानाध्यापकों का सम्मान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। अपने गृह जनपद जौनपुर से मुंबई की यात्रा पर आए, बृहन्मुंबई महानगरपालिका शिक्षण विभाग के दो सेवानिवृत प्रधानाध्यापक रामानंद पांडे और लालमणि तिवारी का आज समरस फाउंडेशन कार्यालय में सम्मान किया गया।

संस्था के महासचिव तथा वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे ने संस्था की तरफ से उनका सम्मान किया। इस अवसर पर संस्था के उपाध्यक्ष मुकुंद शर्मा, सचिव सुरेंद्र पांडे विधि सलाहकार एडवोकेट भारत पांडे उपस्थित रहे। वर्ष 2010 में सेवानिवृत्त हुए दोनों प्रधानाध्यापकों ने दिए गए सम्मान के लिए समरस फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ किशोर सिंह तथा उनकी पूरी टीम के प्रति आभार व्यक्त किया।

राजपुताना बिजनेस सम्मिट उत्तराखंड, एक नई दिशा में बढ़ता कदम

मुंबई (उत्तरशक्ति)। अखंड राजपुताना सेवासंघ द्वारा राजपुताना बिजनेस सम्मिट उत्तराखंड का आयोजन सितंबर में किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य व्यापार और उद्योग जगत में नए अवसरों को तलाशना और व्यापारिक संबंधों को मजबूत करना है। इस सम्मिट के माध्यम से, संगठन व्यापार और उद्योग जगत के प्रमुख व्यक्तियों को एक मंच पर लाने का प्रयास कर रहा है, जहां वे अपने अनुभव और ज्ञान को साझा कर सकें। अखंड राजपुताना सेवासंघ मुंबई शाखा द्वारा होटल आरूसी अंधेरी पूर्व में उत्तराखंड के कार्यक्रम को बढ़ावा देने और मुंबई के उद्यमियों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में महाराष्ट्र प्रदेश कार्याध्यक्ष श्री रामविलास सिंह और राजपुताना बिजनेस सम्मिट के प्रदेश अध्यक्ष मनीष अमर सिंह ने भाग लिया। राष्ट्रीय

अध्यक्ष ठाकुर आर पी सिंह दुर्गवंश ने कार्यक्रम की संपूर्ण जानकारी मंच से अपने उद्बोधन में समस्त उपस्थिति जनों से साझा की। ठाकुर आर पी सिंह दुर्गवंश ने कहा कि हम नौकरी मांगने वाला नहीं, नौकरी देने वाला समाज तैयार कर रहे हैं। इस सम्मिट के माध्यम से, संगठन युवाओं को उद्यमिता की दिशा में प्रोत्साहित करने और उन्हें स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने का प्रयास कर रहा है। राजपुताना बिजनेस सम्मिट 13 और 14 सितंबर को उत्तराखंड के रामनगर में कार्बेट एलीगेंट रिट्रीट रिजॉर्ट में आयोजित किया जाएगा। इस दो दिवसीय सम्मिट में देश भर के राजपूत उद्यमी एकत्रित होकर समाज को उद्यम परख बनाने पर चर्चा करेंगे।कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर आर पी सिंह को बिन मां बाप की दो बेटियों की धूमधाम से शादी संपन्न कराने के लिए सार्वजनिक सत्कार किया गया। यह आयोजन समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने और सामाजिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

पालघर में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट, जिलाधिकारी ने की सतर्कता बरतने की अपील

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले में भारी बारिश को लेकर खतरे की घंटी बज चुकी है। भारतीय मौसम विभाग ने जिले के लिए 5 और 6 जुलाई को ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसी को देखते हुए जिलाधिकारी एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की अध्यक्ष डॉ. इंदुरानी जाखड़ ने नागरिकों से सतर्क रहने की अपील की है। जिलाधिकारी ने कहा है कि जिले की नदियां, नाले, ओहले और पुल पानी से लबालब भर गए हैं। ऐसे में नागरिक किसी भी स्थिति में तेज बहाव वाले पानी को पार कर जोखिम भरा सफर न करें। उन्होंने नागरिकों को चेताया कि शॉर्टकट

रास्तों के चक्कर में न पड़ें और न ही पानी के बहाव वाले मार्गों से यात्रा करें। विशेष रूप से विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों से अपील करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि यदि रास्ते में बाढ़ का पानी भरा हो, तो छात्र तुरंत अपने शिक्षकों को सूचित करें और किसी भी सूरत में झाड़ियों के सहारे, टायर ट्यूब या राफ्ट जैसी असुरक्षित चीजों से यात्रा न करें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि मुख्य रास्ता भी जलमग्न हो गया हो, तो बिना पुलिस या स्थानीय प्रशासन की अनुमति के यात्रा न करें। जान जोखिम में डालने की बजाय सुरक्षित विकल्प अपनाएं। जिलाधिकारी डॉ. इंदुरानी जाखड़ ने जिले के सभी नागरिकों से अपील की है कि भारी बारिश के इस दौर में पूरी सतर्कता बरतें और प्रशासन द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों का पालन करें, ताकि किसी भी अनहोनी से बचा जा सके।

बोईसर में कल्पवृक्ष आयुर्वेदिक पंचक्रम चिकित्सा की शुरूआत

शारीरीक तकलीफों से छुटकारे में मिलेगी सहायता

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। भागदौड़ भरी जिंदगी में स्वास्थ्य से लापरवाही और दिनचर्या ने आम लोगों के जीवन को तकलीफों का बोझ बना दिया है पहले सोचने की फुर्सत नही थीं और अब शरीर ने साथ देना छोड़ दिया है तो आईये आप की सेहत को भारत की प्राचीन चिकित्सा पद्धति की एक खोज एक्यूप्रेशर विज्ञान के जरिये एक्यूप्वाइंट पर दबाव देकर,मसाज से शर्तिया आराम देने के लिए औद्योगिक शहर बोईसर में 'कल्पवृक्ष आयुर्वेदिक पंचक्रम चिकित्सा' ने सेवा कार्य शुरू किया है।

सेहत के तकलीफों से परेशान औद्योगिक शहर बोईसर और आसपास के काफी लोगों को राहत पहुंचा रहे आचार्य एकदेव एस. ने 'तरुणमित्र ब्यूरों' से बातचीत में प्राकृतिक चिकित्सा(नेचुरल थेरेपी) की इस पद्धति से रोगों को ठीक करने की विज्ञान के बारे में मिले अनुभवों को सांझा करते काफी गूढ़ रहस्यों की जानकारी दी है। आचार्य एकदेव एस. बताते है कि एक्यूप्रेशर जीवन का एक विज्ञान है जिसमें शरीर के किसी भी हिस्से पर दबाव मालिश करके उसे पुनर्जीवित किया जा सकता है। शरीर की विभिन्न अंगों की अलग-अलग स्वीच जुड़ी होती है जिसे एक्यूप्वाइंट भी कहा जाता है इस बिंदु पर दबाव बनाते ही उससे जुड़ा पुरा भाग प्रभावित होते ही रोग का निदान संभव हो जाता है। मानव शरीर में सिर से लेकर पैर तक से जुड़े हजारों नसे,रक्त प्रवाहित करने वाली धमनियों,मांसपेशियों,स्नायु, हड्डियों और हृदय के साथ आँख, नाक,कान,दांत स्वचालित मशीन के रुप में कार्य करती रहती है। एक्यूप्रेशर में हम निदान के लिए जरूरी बिंदु पर जैसे ही दबाव बनाते है पुरा भाग प्रभावित हो जाता है ऐसे भारत की प्राचीन विधा से शरीर के अपशिष्ट पदार्थों को हटाकर रोग मुक्त बनाया जा रहा है। 'कल्पवृक्ष आयुर्वेदिक पंचकर्म चिकित्सा' में साईटिका व मसल्स पेन, जोड़ो का दर्द,कमर का दर्द, बवासीर,कील मुहांसे,सफेद दाग,अस्थमा और त्वचा रोगों से छुटकारे की पुरी कोशिश की जा रही है। समस्याओं से प्रभावित लोग रोग निदान के सलाह के लिए मोबाइल न.9820574332 पर किसी भी समय संपर्क कर सकते है।

समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अबू आसिम आजमी ने भिवंडी में महापौर बनाने का लिया संकल्प

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी। भिवंडी मनपा चुनाव को मद्देनजर रखते हुये समाजवादी पार्टी के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष व गोवंडी विधायक अबू आसिम आजमी ने कोणार्क आर्केड बिल्डिंग में समाजवादी पार्टी कार्यालय पर पत्रकार परिषद में कहा कि भिवंडी मनपा का अगला महापौर समाजवादी पार्टी का होगा वहीं पार्टी में चल रही गुटबाजी पर भी विराम लगा दिया । वहीं आजमी ने भिवंडी कार्यकारिणी को भंग की घोषणा किया और नई कमेटी के गठन के लिए सर्वसम्मति से अजय यादव की अध्यक्षता में समन्वय समिति के तहत भिवंडी पूर्व विधानसभा व भिवंडी पश्चिम विधानसभा कमेटी का

गठन करने व भिवंडी मनपा नगरसेवक चुनाव में उम्मीदवारों को टिकट देने की जिम्मेदारी सौंपी गयी है । अजय यादव के साथ आराफात शेख व भिवंडी पूर्व विधानसभा के विधायक रईस शेख के साथ कई अन्य लोगों को भी शामिल किया गया है जो भिवंडी मनपा नगरसेवक के लिए योग्य व स्वच्छ छवि के लोगों का चयन करेंगे । उक्त पत्रकार परिषद की शुरूआत प्रदेश अध्यक्ष अबू आसिम आजमी को अराफात शेख व भिवंडी पूर्व विधानसभा के विधायक रईस शेख व अजय यादव द्वारा शाल पुष्पगुच्छ देकर सत्कार किया गया । आजमी ने आने वाले मनपा चुनाव के लिये अपनी रणनीति शुरू कर दी है ।

औपचारिक रोजगार को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार का बड़ा कदम, ईएलआई योजना को मंजूरी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। औपचारिक रोजगार को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से भारत सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के क्षेत्रीय कार्यालय, चारकोप (कांदिवली पश्चिम) द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन (ईएलआई) योजना को मंजूरी दे दी गई है। इस योजना का मकसद निर्माण क्षेत्र सहित विभिन्न क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर औपचारिक रोजगार को बढ़ावा देना है।

योजना की प्रमुख बातें:

1. ईएलआई योजना के तहत विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार सृजन, रोजगार क्षमता और सामाजिक सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा।
2. पहली बार काम पर रखे गए कर्मचारियों को 12 महीनों तक 15,000 तक मासिक वेतन पर ईपीएफ में योगदान का प्रोत्साहन मिलेगा, यदि वे कम से कम 6 महीने कार्यरत रहे हों।
3. अतिरिक्त कर्मचारियों को काम पर बनाए रखने वाले प्रतिष्ठान प्रति कर्मचारी 3,000 तक प्रति माह प्रोत्साहन राशि प्राप्त कर सकते हैं, यदि कर्मचारी कम से कम 6 माह कार्यरत रहे।
4. योजना का लाभ तीसरे और चौथे वर्ष तक भी बढ़ाया जाएगा, जिससे रोजगार सृजन को मजबूती मिलेगी।
5. 1 लाख वार्षिक वेतन तक पाने वाले कर्मचारी इस योजना के पात्र होंगे।
6. इस योजना से 1.92 करोड़ से अधिक कर्मचारियों को लाभ मिलने की संभावना है। दो वर्षों में 3.5 करोड़ से अधिक नौकरियों के सृजन को प्रोत्साहन मिलेगा।
7. पात्रता के लिए रोजगार सृजन अवधि 1 अगस्त 2025 से 31 जुलाई 2027 के बीच होनी चाहिए।
8. प्रोत्साहन राशि कर्मचारियों के आधार लिंक्ड बैंक खाते में डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के माध्यम से भेजी जाएगी। असिस्टेंट पीएफ कमिश्नर रुदल प्रसाद ने सभी पात्र नियोक्ताओं और कर्मचारियों से इस योजना का लाभ उठाने की अपील की है। उक्त आशय की जानकारी क्षेत्रीय कार्यालय, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ), चारकोप (कांदिवली पश्चिम), मुंबई।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

पुलिस मुठभेड़ में अंतर्जनपदीय शातिर लुटेरा सहित दो गिरफ्तार

थाना केराकत, सर्विलांस व स्वाट टीम की संयुक्त पुलिस टीम के साथ हुई मुठभेड़

केराकत, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। थाना केराकत, सर्विलांस व स्वाट टीम की संयुक्त पुलिस टीम के साथ हुई पुलिस मुठभेड़ में अंतर्जनपदीय शातिर लुटेरा सहित 02 गिरफ्तार, एक आरोपी के पैर में लगी गोली। कब्जे से 01 मोटर साइकिल चोरी की,01 तमंचा 01 खोखा कारतूस, 02 जिन्दा कारतूस .315 बोर,01 मोबाइल ओपो कम्पनी व लूट का 4.400 ग्राम गला हुआ सोना बरामद।

पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा चलाये जा रहे। अभियान अपराध एवं अपराधियों एवं वाँछित अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये गये विशेष अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्राधिकारी केराकत के पर्यवेक्षण एवं दिशा निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक अवनीश कुमार राय के नेतृत्व में थाना केराकत पुलिस द्वारा दिनांक 05.07.2025 को रात्रि मे मुखबिर की सूचना कुसरना मे हुई चैन स्नैचिंग की घटना के आरोपी को पूरनपुर मजार के पास नहर पुलिया के चौराहे के पास गाणाबन्दी कर रोकने का प्रयास किया गया तो उक्त बदमाशान द्वारा अपने को पुलिस से घिरा देखकर पुलिस पर फायरिंग करने लगा आत्मरक्षार्थ मे पुलिस द्वारा गोली चलाने पर बदमाश चन्द्रदीप पटेल पुत्र शिवालाल पटेल निवासी दनियालपुर थाना शिवपुर जनपद वाराणसी के बायें पर मे गोली लगी जिससे वो घायल हो गया मौके पर पुलिस द्वारा उसे गिरफ्तार किया गया तथा प्राथमिक उपचार हेतु सीएचसी केराकत भेजवाया गया जहां से जिला अस्पताल रेफर किया गया। तथा मौके पर एक अभियुक्त लवकुश पाल पुत्र जयहिन्दर पाल निवासी दनियालपुर थाना शिवपुर जनपद वाराणसी अंधेर का फायदा उठाकर फरार हो गया जिसकी तलाश जारी है तथा पुलिस मुठभेड़ मे घायल अभियुक्त चन्द्रदीप पटेल द्वारा पुछताछ पर बताया कि उक्त लूट की चैन हमलोगो ने किशन ज्वैलर्स काशीराम आवास शिवपुर पर बेचा था जिसके आधार पर व मोबाइल नम्बर लोकेशन के आधार पर संजय सेठ पुत्र स्व0 शोभनाथ सेठ निवासी थानागद्दी थाना केराकत जनपद जौनपुर को गिरफ्तार किया गया जिसने उक्त लूट में चोरी गयी चैन को 20 हजार रुपये मे खरीदने व चैन को गला देने की बात स्वीकार करते हुए उक्त गली हुई सोने की चैन एक बटन के आकार का सोना वजन 4.400 ग्राम बरामद किया गया। उक्त के सम्बन्ध मे थाना केराकत पर मु0अ0सं0 181/25 धारा 109(1)/ 317(2)/318 (2)/336(2) बी.एन.एस. व 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर अग्रेतर कार्यवाही प्रचलित है।

पीएम मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट नाइट मार्केट पर चला योगी का बुलडोजर

अब नाइट मार्केट बना इतिहास, भारी पुलिस बल के साथ जिला प्रशासन व नगर निगम ने चलाया अभियान

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। कैंट रेलवे स्टेशन के सामने छोटे दुकानदारों के लिए बनाए गए नाइट मार्केट पर शुक्रवार की रात नगर निगम का गरजा बुलडोजर। एडीएम सिटी ने पुलिस फोर्स के साथ अतिक्रमण और अवैध दुकानों पर कार्रवाई शुरू कराई, आवंटियों को 48 घंटे के अल्टीमेटम के बाद प्रशासन ने सख्ती से दुकानों को हटवाना शुरू किया तो अफरा तफरी मच गई। फ्लाईओवर के नीचे ट्रैफिक रुकवाकर सामान को नगर निगम के वाहनों ने लादना शुरू किया। लोग अपनी दुकानों का सामान लेकर भागने लगे। नोटिस नगर निगम प्रशासन की ओर से नाइट मार्केट को खाली कराने के लिए कहा गया था, टीम ने विरोध के बीच अवैध दुकानें हटवाईं। देर रात तक कार्रवाई चलती रही।बता दें कि बुधवार को जब नगर निगम ने कार्रवाई शुरू की और कुछ गुमटियों को लादा गया तो पटरी ठेला व्यवसायी संगठन के महासचिव अभिषेक निगम ने विरोध विरोध किया था। कैंट विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने अधिकारियों से बातचीत कर दुकान हटाने के लिए फेरी पटरी वालों को दो दिन का समय दिलाया।

फ्लाईओवर के नीचे बनाया गया था मार्केट: नगर निगम ने कैंट स्टेशन के सामने पुल के नीचे नाइट मार्केट को बसाया था, लेकिन इसके संचालन के लिए श्रेया कंपनी के साथ अनुबंध किया गया था। कंपनी की ओर निर्धारित मानकों को पूरा न करने और शर्तों का उल्लंघन करने पर नगर निगम ने अब इसे हटाने का काम शुरू कर दिया है। पिछले एक सप्ताह से यहां के दुकानदार विरोध कर रह हैं। नगर निगम का कहना है कि अब यह मार्केट अवैध हो गया है तो इसे यहां से हटाया जा रहा है। शुक्रवार की देर रात पहुंची टीम ने इसे हटाने की कार्रवाई शुरू की। देर रात तक कार्रवाई जारी रही। नगर निगम के मुताबिक सभी दुकानों को हटाया जाएगा। जो दुकानें बच जाएंगी उन पर शनिवार को कार्रवाई की जाएगी।

जाम और गंदगी का सबब बन गया था नाइट मार्केट: नगर निगम ने स्मार्ट सिटी के साथ मिलकर चौकाघाट लहरतारा फ्लाईओवर के नीचे नाइट बाजार बनाया। फ्लाईओवर के पिलर को आकर्षक पेंटिंग से सजाया गया था। खानपान की दुकानें खोली गई। संचालन का जिम्मा श्रेया एजेंसी को दिया गया था। नाइट मार्केट के चलते सड़क पर जाम की समस्या बढ़ गई। इतना ही नहीं एजेंसी से जुड़े लोगों ने नगर निगम पर दबाव बनाकर इंग्लिशिया लाइन से कैंट की तरफ आने वाले मार्ग को भी ब्लॉक कर दिया था। फ्लाईओवर के नीचे गंदगी के साथ जाम की समस्या के साथ वहां अनैतिक गतिविधियों की भी जानकारी होने पर नगर निगम ने एजेंसी को चेताया था।

अब जानिए नगर निगम की आगामी योजना: वाराणसी कैंट रेलवे स्टेशन के सामने फ्लाईओवर के नीचे सजे नाइट मार्केट की खाली कराने के बाद नगर निगम यहां पर सुंदरीकरण कराएगा। आकर्षक रंग बिरंगी लाइट की सजावट के साथ ही यात्रियों के लिए बेंच तैयार होंगे। साथ नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी संदीप श्रीवास्तव ने बताया कि प्रस्तावित विकास कार्यों के तहत सीटिंग बेंच, पाथवे, ई रिक्शा हेतु चार्जिंग स्टेशन, स्कल्पचर एवं डेकोरेटिव लाइट, हॉर्टिकल्चर के कार्य, एडवर्टाइजिंग पैनल, यातायात की सुगमता एवं सुरक्षा के दृष्टिगत टेबल टॉप क्रासिंग आदि कार्य प्रस्तावित हैं।

गर्भगृह में ही मां विंध्यवासिनी के सामने ही पंडाओं ने किया मारपीट

मिजार्पुर(उत्तरशक्ति)। मां विंध्यवासिनी धाम में शुक्रवार की रात शयन की तैयारी के समय पूजा करने पहुंचे पंडा ने बड़े श्रृंगारिया और उनके पुत्र से मारपीट कर लिया। गर्भगृह में मां के सामने ही पंडा मारपीट करने लगे। मामले में पुलिस ने बड़े श्रृंगारिया की तहरीर पर तीन नामजद और अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया।

थाना क्षेत्र के पाकरतर निवासी बड़े श्रृंगारिया विश्व मोहन मिश्रा ने तहरीर देकर बताया कि वह प्रतिदिन माता के गर्भगृह में मां के शयन कराने के उत्तरदायित्व का निर्वहन करते हैं। शुक्रवार की रात प्रतिदिन की तरह वह और उनके पुत्र शिवांजू मिश्रा मां का शयन कराने के लिए मंदिर के गर्भगृह में पहुंच कर तैयारी करा रहे थे। 11:55 बजे अमित पांडेय अपने भाई सुमित पांडेय, नवनीत पांडेय व कुछ अन्य व्यक्तियों के साथ मंदिर के गर्भगृह में पहुंचकर कार्य में अवरोध उत्पन्न करने लगे। कहा कि जब तक पूजा-पाठ नहीं कर लूंगा तब तक माता का शयन नहीं होगा। मना करने पर आक्रोशित होकर अमित पांडेय अपने भाईयों और अन्य अज्ञात लोगों के साथ मिलकर उनको और उनके पुत्र को मारने-पीटने लगे। वहां उपस्थित दर्शनार्थी और सेवक ने बीच-बचाव किया। जिससे जान बच सकी। मारपीट में पुत्र शिवांजू मिश्रा की सोने की चेन व रुद्राक्ष की चांदी लगी माला छीनकर चले गए। धमकी दिया कि शिकायत करोगे तो पूरे परिवार को जान से मार देंगे।

इस दौरान झांकी दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं में भी भगगड़ मच गई। एएसपी सिटी नितेश सिंह ने बताया कि अमित पांडेय, सुमित पांडेय, नवनीत पांडेय व अज्ञात के खिलाफ मारपीट, डकैती, धमकी देना, शांतिभंग करना, किसी व्यक्ति को उसके रोजगार या व्यवसाय से वंचित करने के लिए उत्पीड़न करने से संबंधित धारा में मुकदमा दर्ज किया गया है।

कोटेदार संघ ने एसडीएम के उत्पीड़न के खिलाफ किया प्रदर्शन

कोटेदार संघ के जिला अध्यक्ष हरसू सिंह के नेतृत्व में सौंपा ज्ञापन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कलेक्ट्रेट परिसर में कोटेदार संघ के सैकड़ों दुकानदारों ने आज शुक्रवार को

उपजिलाधिकारी सदर को कोटेदार संघ के जिला अध्यक्ष हरसू सिंह के नेतृत्व में ज्ञापन सौंप कर प्रदर्शन किया गया। हरसू सिंह ने बताया कि उप जिला अधिकारी सदर द्वारा वितरण सही होने के बावजूद भी कोटेदारों के यहां से स्टॉक रजिस्टर और मशीन उठा ले आए। प्रदेश अध्यक्ष राजेश तिवारी ने कहा कि तहसील के दुकानदारों की इन्हीं समस्याओं को उप जिलाधिकारी से मुलाकात की गई। उपजिलाधिकारी से आग्रह किया गया कि बिना कारण दुकानदारों पर दबाव बनाने के लिए अनावश्यक कार्रवाई न किया जाए। कार्डधारकों को राशन न मिलने पर ही कार्रवाई करना उचित है। उचित दर विक्रेताओं द्वारा मशीनों को जब्त करने का विरोध किया गया। उपजिलाधिकारी महोदय ने आश्वासन दिया कि भविष्य में इस प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी तथा जब्त मशीनों एवं रजिस्टर को वापस कर दिया जाएगा। कोटेदार संघ ने 15 जुलाई को प्रदेश व्यापी धरना एवं प्रदर्शन करने का ऐलान किया। संघ ने चेतावनी दिया कि यदि हमारी मांगे पूरी नही की गई और उत्पीड़न की कार्रवाई होती रही तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

बदलापुर पुलिस ने देशी तमंचा व कारतूस के साथ एक आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना बदलापुर पुलिस टीम द्वारा प्र0नि0 बदलापुर के नेतृत्व में उ0नि0 गोरखराम शास्त्री मय हमराह द्वारा मुखबिर की सूचना पर चेकिंग के दौरान आरोपी कमलेश निषाद पुत्र स्व0 चौथीराम निषाद निवासी मिरशादपुर थाना बदलापुर जनपद जौनपुर को एक देशी तमंचा .315 बोर व एक जिंदा कारतूस .315 बोर के साथ दिनांक 05.07.25 समय 04.20 बजे सुबह मिरशादपुर अण्डरपास के पास हिरासत पुलिस में लिया गया। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर सुसंगत धाराओं मे आरोपी उपरोक्त के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। 1. मु0अ0सं0-282/2025 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट थाना बदलापुर जनपद जौनपुर।

समाधान दिवस में 49 शिकायत पत्रों में से महज 4 का निस्तारण

मुहम्मद आरिफ, लालगंज,आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। लालगंज तहसील परिसर सभागार में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन उपजिलाधिकारी भुपाल सिंह की अध्यक्षता मे सम्पन्न हुआ।

उपजिलाधिकारी भुपाल सिंह ने जनता की समस्याएं सुनी। इस दौरान 49 फरियादी शिकायत लेकर अफसरों के पास पहुंचे।इनमें से 04 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस मे राजस्व विभाग के 18, पुलिस 10, विकास विभाग 06, विद्युत विभाग 06, अन्य 09 सहित कुल 49 शिकायतें आई थी। जिसमें 04 शिकायतों का मौके पर निस्तारण कर दिया गया। उपजिलाधिकारी भुपाल सिंह ने शेष 45 मामलों का निस्तारण निर्धारित समय सीमा के अंदर करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। कहा कि जनता की समस्याओं के त्वरित व गुणवत्ता युक्त निस्तारण किया जाए। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। इस अवसर पर तहसीलदार उमेश सिंह,खंड विकास अधिकारी मनोज कुमार श्रीवास्तव, प्रभारी एडीओ पंचायत गणतंत्र श्रीवास्तव, खंड शिक्षा अधिकारी बृजेश श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

बस की टक्कर से बाइक सवार दो घायल, अस्पताल में भर्ती, हालत नाजुक

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। तेज रफ़्तार रोडवेज बस की टक्कर से बाइक सवार एक वृद्ध सहित दो लोग बुरी तरह घायल हो गए। जानकारी के अनुसार तहसील क्षेत्र ग्राम डिहिया थाना खुटहन निवासी छत्रभान सिंह पुत्र हरि सिंह व दिनेश सिंह पुत्र बच्चा सिंह शनिवार की अपने बाइक पर सवार होकर शाहगंज आये थे।अपना काम करके वह दोनों क्षेत्र के ग्राम गैरवां थाना सरपतहां अपने रिश्तेदार के घर त्रयोदशह में जा रहे थे की रास्ते मे सरिस के पास विपरीत दिशा से आ रही परिवहन निगम की आजमगढ़ डिपो की बस ने उक्त बाइक सवारों को टक्कर मार दी जिससे वह दोनों वहीं बाइक सहित गिर कर बुरी तरह घायल हो गए।आननं फानन में ग्रामीणों की मदद से एक निजी नर्सिंग होम में उपचार हेतू भर्ती कराया गया।जहां पर छत्रभान सिंह की हालत नाजुक बताई जा रही है। घायलों के परिजनों ने मामले की सूचना कोतवाली पुलिस को देते हुए बस ड्राइवर और कंडक्टर के खिलाफ कड़ी कार्यवाई की मांग की है।

अनिल कुमार व सफीउल्लाह अंसारी माशिप प्रयागराज द्वारा विषय विशेषज्ञ के रूप में पाठ्यक्रम समिति में नियुक्त

जलालपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बयालसी पी.जी. कॉलेज, जलालपुर के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अनिल कुमार और डॉ. सफीउल्लाह अंसारी को माध्यमिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश द्वारा समाजशास्त्र विषय के विशेषज्ञ के रूप में पाठ्यक्रम समिति में नियुक्त किया गया है। इस उपलब्धि की घोषणा के साथ ही सचिव, माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा बधाई पत्र प्राप्त होने पर कॉलेज परिसर में खुशी की लहर दौड़ गई। इसी क्रम में, डॉ. अनिल कुमार को बहुआयामी प्रगति पत्र (ल्.ढ.उ.) और प्रश्नपत्रों के मानकीकरण के लिए 07 से 11 जुलाई 2025 तक प्रस्तावित कार्यशाला में भाग लेने हेतु माध्यमिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज द्वारा आमंत्रित किया गया है। कॉलेज की प्राचार्या डॉ. अलकेश्वरी सिंह ने इस कार्यशाला में कॉलेज का प्रतिनिधित्व करने के लिए डॉ. अनिल कुमार को सहर्ष अनुमति प्रदान की है इस अवसर पर प्राचार्या, शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं ने डॉ. अनिल कुमार और डॉ. सफीउल्लाह अंसारी को हार्दिक बधाई दी। प्राचार्या डॉ. अलकेश्वरी सिंह ने कहा, श्यह नियुक्ति न केवल कॉलेज, बल्कि पूरे जलालपुर क्षेत्र के लिए गौरव का क्षण है। डॉ. अनिल कुमार और डॉ. सफीउल्लाह अंसारी ने अपनी विद्वता और समर्पण से प्रदेश स्तर पर कॉलेज का नाम रोशन किया है। समस्त कॉलेज परिवार की ओर से उन्हें साधुवाद और शुभकामनाएं। यह उपलब्धि बयालसी पी.जी. कॉलेज के शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है और क्षेत्र के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी है।

चंदौली में दिनदहाड़े भाजपा नेता के भाई की गोली मारकर हत्या से हड़कंप

भीड़ ने हत्यारे को पकड़का पीटा, पुलिस ने अस्पताल में कराया भर्ती

चंदौली(उत्तरशक्ति)। शनिवार की सुबह गोलियों की गूंज से दहल उठा पूरा इलाका,भाजपा जिला उपाध्यक्ष डॉ. प्रदीप मौर्या के भाई और परचून दुकानदार संतोष मौर्या (45) की गोली मारकर कर दी गई हत्या। घटना नगर के वार्ड नंबर 7 की है, जहां आरोपी देंवेंद्र जायसवाल उर्फ प्रकाश जायसवाल ने दिनदहाड़े वारदात को अंजाम दिया। भीड़ ने उसे पकड़कर पीट दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया।

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, सुबह करीब 9 बजे प्रकाश जायसवाल की डॉ. मौर्या के भाई संजय मौर्या से किसी बात पर कहासुनी हो गई। बहस के बाद जयप्रकाश अपने घर गया और वहां से हथियार लेकर लौटा। इसी दौरान बीच-बचाव करने आए संतोष मौर्य को गोली लग गई। गंभीर रूप से घायल संतोष को जिला संयुक्त चिकित्सालय ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद नगर में तनाव का माहौल हो गया। जिला अस्पताल में भारी भीड़ उमड़ पड़ी और परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक के घर का माहौल गमगीन है, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

आरोपी गिरफ्तार, आगे की कार्रवाई जारी: थानाध्यक्ष अतुल प्रजापति ने बताया कि हत्या के आरोपी जयप्रकाश जायसवाल को तत्काल हिरासत में ले लिया गया है। वह पहले से ही दबंग प्रवृत्ति का बताया जा रहा है, जो अक्सर चौराहे और बाजार में लोगों को धमकाता रहता है। ग्रामीणों की पिटाई से घायल हुआ है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है और आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

फर्जी कोऑपरेटिव बैंक के नाम पर गरीब मजबूरों से जमा कराया पैसा, अब हुआ फरार

◆ दर्जनों महिलाएं और बुजुर्गों ने लगाई फरियाद

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। आज के समय हर कोई जो कमजोर है गरीब है मजबूर है उसे तरह तरह सब्जबाग दिखाकर इसी समाज के कुछ लोग उन्होंने लूटने और पैसे ऐंठने में कोई कसर नही छोड़ते।और जब असलियत का पता चलता है तो बहुत देर हो चुकी होती है।फिर शुरू होता है थाना, तहसील कोर्ट कचहरी का सिलसिला। कुछ ऐसा ही एक ताजा मामला शनिवार को तहसील में आयोजित समाधान दिवस पर देखने और सुनने को मिला।जहां एक गॉव की दर्जनों महिलाएं और बुजुर्ग अपनी व्यथा लेकर गुहार लगाने आये थे।

जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मलहज निवासी कमला प्रयाद पुत्र मोतीलाल के ऊपर गॉव की दर्जनों महिलाओं ने तहसील पहुंच कर आरोप लगाया की कमला प्रसाद जो अपने आपको लोकहित भारतीय क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड आफिस ए 10 मीरा बाग न्यू दिल्ली में एरिया मैनेजर के पद पर कार्यरत बताता है।आगे गाली गलौज और फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी देता है। शनिवार को तहसील दिवस पर पहुँचे ग्रामीणो

ग्रामीणों ने आरोप लगाया की कमला प्रसाद ग्रामीणों को विश्वास में लेकर गॉव की तमाम महिलाओं और बुजुर्गों से आठ वर्ष पूर्व से पैसा जमा कराता रहा।जब काफी समय हो गया तो लोगों ने पैसा निकालने की बात कही तो पता चला की उक्त को-ऑपरेटिव प्राइवेट लिमिटेड पैसा लेकर भाग गई। जबकि कमला प्रसाद ने अपनी गारंटी पर ग्रामीणों से पैसा जमा करवाया था।ग्रामीणों का आरोप है की पैसा वापस मांगने पर ने अधिकारियों को प्रार्थना पत्र देते हुए आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्यवाई करते हुए पैसा वापस कराने की मांग की। बताते हैं उक्त प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ने मलहज गॉव से लगभग पचासों महिलाओं और पुरुषों का लाखों रुपया लेकर फरार है। उक्त मौके पर सुषमा देवी, अर्जन, अभयराज, पियारी देवी, बरसातू, रोहित, रामकृष्ण पाल, उदयराज, प्रभावती, जग्गुराम, सीमा, किस्मत्ति, कुसुम, अनिल कुमार, रेखा, मन्जीता, आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

पौधरोपण से पर्यावरण की होती है सुरक्षा :कृपाशंकर सिंह

एक 'पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत रोपे गए 200 पौधे

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सरकार पर्यावरण के सुरक्षा के लिए जल जीवन हरियाली को कायम रखने के लिए एक पेड़ मां के नाम अभियान चला रही है। जिसके तहत शनिवार को सिकरारा ब्लॉक के ग्राम पालपुर में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व लोकसभा प्रत्याशी जौनपुर व महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह रहे। मुख्य अतिथि ने आम का पौधा लगाकर अभियान का शुभारंभ किया इस दौरान लगभग 200 से अधिक फलदार और औषधीय पौधे लगाए गए।

कृपाशंकर सिंह ने कहा कि आज आठ एकड़ के इस तालाब के चारो तरफ पौधे रोपे गए है पौधरोपण से न केवल वातावरण शुद्ध होता है, बल्कि पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता भी बढ़ती है, पौधे वायुमंडल से कार्बन डाईऑक्साइड अवशोषित कर हवा को स्वच्छ बनाते हैं, आने वाले दिनों में अगर हम अभी नहीं जगे तो धरती पर मानव जीवन खतरे में पड़ जाएगा। जिसके लिए हम सभी को अभी से ही जगने की जरूरत है पौधों की देखभाल की जिम्मेदारी ग्राम प्रधान व सचिव को सौंपी गई।

पूर्व विधायक सुषमा पटेल ने बताया कि पर्यावरण की सुरक्षा पौधरोपण से ही संभव है। एक पौधा मां के नाम के तहत आज कम से कम सैकड़ों पौधे का रोपण किया गया है। महामंत्री सुशील मिश्र ने कहा कि,वृक्षारोपण अभियान को सफल करने का आह्वान किया

और साथ ही जोर दिया की वृक्षों को लगाने के साथ-साथ उनकी रक्षा भी करनी होगी।पर्यावरण स्वच्छ रह सके और बीमारियों से बचाव हो सके। पर्यावरण को बचाने के लिए हर नागरिक को एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख सिकरारा संजय सिंह,सचिन,प्रबुद्ध दुबे, श्यामराज सिंह, अजीत सिंह, बेहोश, राममोहन सिंह, आसुतोष सिंह, मेजर के के सिंह, दीपक, ग्राम प्रधान प्रदीप कुमार,सतेंद्र सिंह, अजय यादव,समेत आदि लोग रहे। कार्यक्रम का संचालन ब्लॉक प्रमुख संजय सिंह ने किया।

शशिकला पटेल को डॉक्टरेट की उपाधि

मुंबई। मुंबई विश्वविद्यालय द्वारा शशिकला पटेल को समावेशी शिक्षा (Inclusive Education) विषय पर शोधकार्य के लिए डॉक्टरेट (पीएच.डी.) की उपाधि प्रदान की गई है। यह शोध इन्होंने गोखले कॉलेज ऑफ एजुकेशन एंड रिसर्च, परेल के शिक्षाशास्त्र विभाग में, प्रोफेसर (डॉ.) प्रशांत काले के कुशल निर्देशन में पूर्ण किया। शोध विवेचना (वाइवा-वोसे) का आयोजन प्रो. (डॉ.) सुनीता मगरे की अध्यक्षता में हुआ, जबकि प्रो. (डॉ.) ललिता चंद्रात्रे ने बाह्य परीक्षक के रूप में अपनी भूमिका निभाई। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र हरकाल, गोखले कॉलेज ऑफ एजुकेशन एंड रिसर्च, परेल और पीएच.डी. सेल के प्रमुख डॉ. चेतन चव्हाण की विशेष उपस्थिति रही। इस शोधकार्य की सफलता में आर.आर. एजुकेशनल ट्रस्ट, बी.एड. कॉलेज का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इसके साथ ही, प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से अनेक लोगों का सहयोग रहा है। विशेष रूप से डॉ. अमर बहादुर पटेल का योगदान उल्लेखनीय रहा। सभी सहयोगियों को हार्दिक धन्यवाद।

सम्पूर्ण समाधान दिवस पर 164 प्रार्थना पत्र पड़े,16 का हुआ निस्तारित

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शनिवार को तहसील के सभागार में सम्पूर्ण समाधान का आयोजन डिप्टी एसपी अजीत सिंह चौहान की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।जिसमें कुल 164 प्रार्थना पड़े।और 16 प्रार्थना पत्रों का मौके पर निस्तारण किया गया।समाधान दिवस पर अधिकांश जमीनी विवाद देखने को मिला।जिसे तहसीलदार आशीष सिंह राजस्वकर्मियों को मौके पर भेज कर त्वरित निस्तारण का निर्देश दिया।वही अन्य प्रार्थना पत्रों को डिप्टी एसपी सम्बंधित विभाग को सौंपते हुए जल्द से जल्द निस्तारण का निर्देश दिया। उक्त मौके पर नायाब तहसीलदार शीतला प्रसाद सिंह, सप्लाई इनक्सपेक्टर शिव शंकर यादव, कानून गो संजय सिंह सहित सभी विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

धार्मिक स्थल के सामने खुले में मांस और मछली की बिक्री बंद करने की नागरिकों ने की मांग

गौराबादशाहपुर, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर पंचायत गौराबादशाहपुर के बमैला मोहल्ले में राम जानकी मंदिर व शिवालय तथा अधीनदास बाबा की कुटी के सामने सड़क के किनारे खुले आसमान के नीचे मछली व मांस की बिक्री होने से धार्मिक भावनाओं के आहत होने तथा वहां पर हमेशा यातायात जाम रहने की शिकायत नागरिकों ने तहसील दिवस में प्रार्थना पत्र देकर की है। प्रार्थना पत्र में मांग की गई है कि इस मामले में अधिशासी अधिकारी तथा पुलिस प्रशासन को निर्देशित किया जाए कि वहां पर खुले में मछली व मांस का विक्रय तत्काल प्रभाव से बंद किया जाए जिससे श्रद्धालुओं को असुविधा ना हो। आवेदन पत्र पर खुशी, कुमारी पंकज गुप्ता सरोज देवी राकेश कुमार जायसवाल, लव कुश साहू, राजेश, मनोज कुमार, रुक्मिणी देवी सहित लगभग एक दर्जन नागरिकों ने हस्ताक्षर किए है।

नाबालिग पुत्री से दुष्कर्म के आरोपी पिता को 20 वर्ष की कैद,25000 रूपए अर्थदंड

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। अपर सत्र न्यायाधीश (पाक्सो) उमेश कुमार की अदालत ने शनिवार को अपनी ही 10 वर्षीय पुत्री से दुष्कर्म करने के आरोपी पिता को दोषसिद्ध पाते हुए 20 वर्ष के सश्रम कारावास व 25000 रूपए अर्थदंड से दंडित किया।अभियोजन कथानक के अनुसार लाइन बाजार थाना क्षेत्र निवासी एक युवक ने मुकदमा पंजीकृत करवाया की उसके पिता ने 23 अगस्त 2022 के पहले उसकी नाबालिग बहन के साथ कई बार दुष्कर्म किया और बताने पर जान से मारने की धमकी देते थे। उसके पिता पहली पत्नी की मृत्यु के बाद दूसरी शादी किए थे और अपनी बेटियों का यौन शोषण व उत्पीड़न किया करते थे। जिससे बड़ी पुत्री की मृत्यु हो चुकी है, अब छोटी पुत्री के साथ भी दुष्कर्म कर रहे हैं।बयान के दौरान किए कथन से पीड़ित व उसके भाई द्वारा जिरह के दौरान मुकर जाने के बावजूद अदालत ने पूर्व के बयान को दोष सिद्धि हेतु पर्याप्त मानते हुए आरोपी पिता को दुष्कर्म के आरोप में दोषसिद्ध पाते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास व 25000 रुपए अर्थदंड से दंडित किया।

अभियोजन पक्ष की पैरवी शासकीय अधिवक्ता राजेश कुमार उपाध्याय व कमलेश राय ने किया

ट्रिपल हत्याकांड की पीड़ित परिजनों से मिले सांसद व पूर्व विधायक

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में भगवानपुर थाना क्षेत्र की मलमलिया ओवर ब्रिज पर हुई ट्रिपल हत्याकांड, के पीड़ित परिजनों से मिले महाराजगंज के सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल व गोरियाकोठी के पूर्व विधायक सत्यदेव सिंह, मृतक के घर कौड़ियां जा कर पीड़ित परिजनों से मिलकर हर संभव मदद करने की सांत्वना दी। उन्होंने कहा, हम पीड़ित परिवार के साथ हैं। इस घटना में संलिप्त सभी अपराधी पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी। कोई अपराधी बच नहीं पाएगा . चाहे वह कितना भी दबंग क्यों ना हो उसे बक्शा नहीं जाएगा।

मलमलिया घटनास्थल पर चप्पे- चप्पे पर लगी पुलिस

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अतर्गत महाराजगंज क्षेत्र में, शुक्रवार की संध्या मलमलिया ओवर ब्रिज पर हुए हमला को लेकर सिवान एसपी मनोज तिवारी ने मलमलिया मोड पर चप्पे-चप्पे पर पुलिस की तैनाती कर रखी है । ट्रिपल हत्याकांड में किसी प्रकार का दूसरा घटना नहीं घाटे इसके लिए एसपी मनोज तिवारी ने पुलिस बल की तैनाती कर खुद निगरानी कर रहे हैं, अपराधियों के धर पकड़ के लिए पुलिस जगह-जगह छापेमारी कर रही है। क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

आम महोत्सव लखनऊ में जनपद के कृषको को कराया गया प्रतिभाग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।जिला उद्यान अधिकारी ने अवगत कराया है कि आम महोत्सव में देशभर से आम उत्पादक और निर्यातक शामिल हो रहे हैं। जौनपुर के 250 किसानों की भागीदारी यह दशार्ती है कि वे भी आम की खेती में नवीनतम तकनीकों को अपनाने और अपनी उपज को वैश्विक बाजार तक पहुंचाने के लिए उत्सुक हैं। महोत्सव में विशेषज्ञों द्वारा किसानों को आम के संरक्षण, मूल्यवर्धन और प्रसंस्करण के बारे में भी मार्गदर्शन दिया जा रहा है, जिससे उन्हें अपनी उपज का अधिक मूल्य मिल सके। आम की किस्में और प्रदर्शन महोत्सव में आम की 800 से अधिक प्रजातियों का प्रदर्शन किया जा रहा है, जिनमें दशहरी, लंगड़ा, चौसा, आम्रपाली जैसी प्रसिद्ध किस्में शामिल हैं। इसके अलावा, आम से बने विभिन्न पकवान और व्यंजनों का प्रदर्शन और प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जा रही हैं, जो आगंतुकों और किसानों दोनों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं यह महोत्सव उत्तर प्रदेश के औद्यानिक और बागवानी क्षेत्र के विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

गजब लैब पर खून का सैंपल लिया ही नहीं और थमा दी रिपोर्ट

रियाजुल हक

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले के मुंगराबादशाहपुर क्षेत्र से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जिसने सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की पोल खोलकर रख दी है। यहां एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (ढलठ) में बिना ब्लड सैंपल लिए ही मरीज को खून की जांच रिपोर्ट सौंप दी गई। यह मामला तब सामने आया जब घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वायरल होते ही स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया और आनन-फानन में संबंधित लैब टेक्नीशियन पर कार्रवाई की गई।मामला मुंगराबादशाहपुर पीएचसी का है, जहां तैनात एक लैब टेक्नीशियन ने मरीज से खून लिए बिना ही जांच रिपोर्ट थमा दी। इस लापरवाही का वीडियो सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने आरोपी को तत्काल प्रभाव से नीभपुर पीएचसी में ट्रांसफर कर दिया है, साथ ही उसकी सैलरी पर भी रोक लगा दी गई है। हालांकि इस कार्रवाई को लेकर सवाल उठ रहे हैं कि क्या सिर्फ ट्रांसफर और वेतन रोकने से ऐसे गैर-जिम्मेदार कर्मचारियों में सुधार आ पाएगा।इस संबंध में जानकारी देते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी (डटठ) डॉ. लक्ष्मी सिंह ने कहा, ह्यवह अत्यंत गंभीर मामला है। संबंधित कर्मचारी को तत्काल वहां से हटाया गया है। यदि जांच में यह पुष्टि होती है कि वह नशे की हालत में था या जानबूझकर लापरवाही बरती गई है, तो उसके खिलाफ कड़ी विभागीय कार्रवाई की जाएगी।ह्य वह घटना उस समय पर और भी चिंताजनक हो जाती है जब आम नागरिक पहले ही सरकारी अस्पतालों में मिलने वाली सुविधाओं की गुणवत्ता पर सवाल उठाते रहे हैं।

एक ओर सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की दिशा में करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, तो दूसरी ओर स्वास्थ्य कर्मियों की इस तरह की लापरवाही जनता के भरोसे को तोड़ने का काम कर रही है। स्थानीय लोगों ने भी इस घटना पर नाराजगी जताई है और दोषी कर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

साथ ही यह सवाल भी उठाया कि क्या यही इलाज की ह्यसरकारी गारंटीह्य है, जहां मरीज का खून लिए बिना ही उसकी जांच रिपोर्ट बना दी जाती है।

फिलहाल स्वास्थ्य विभाग ने मामले की जांच शुरू कर दी है, लेकिन अब यह देखना होगा कि कार्रवाई सिर्फ ट्रांसफर तक सीमित रहती है या उदाहरण बनाने लायक कोई ठोस कदम भी उठाया जाता है ताकि कोई दूसरा इस प्रकार के कृत्य की पुनरावृति न करे।

खंड शिक्षा अधिकारी ने नवोदय में चयनित अमृतांश गुप्ता को किया

प्राथमिक शिक्षक संघ पदाधिकारियों ने मेंडल देकर किया सम्मानित

सुजानगंज ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। फरीदाबाद ग्राम सभा के बालवरगंज कस्बा निवासी भोलेनाथ गुप्ता के पुत्र अमृतांश गुप्ता का चयन नवोदय विद्यालय कक्षा 6 में हुआ था, शनिवार को खंड शिक्षा अधिकारी डॉ किरन पांडेय ने अपने कार्यालय बी, आर, सी, पर अमृतांश गुप्ता को माला पहनाया और लड्डू खिलाकर मेंडल देकर सम्मानित किया गया, उन्होंने अपने संबोधन में बताया कि कठिन परिश्रम करने से ही सफलता और सम्मान दोनों मिलता है, प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष अजय कुमार सिंह, महामंत्री राजीव मणि त्रिपाठी ने अमृतांश गुप्ता को माला पहनाकर स्वागत किया, अमृतांश गुप्ता जे, आर , स्कूल बेरां के पांचवीं के छात्र हैं, इस अवसर पर एल० सी० निषाद प्रबंधक एवं वरिष्ठ पत्रकार जे, आर, स्कूल बेरां, संतोष मिश्रा, डा० विनोद कुमार पाल, संतोष द्विवेदी, पिंकी गुप्ता, सहित लोग मौजूद रहे।

चार्जर लगाते समय जहरीले जंतु के काटने से युवती की मौत

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के कलापुर गांव में शनिवार को उस समय हड़कंप मच गया जब मोबाइल चार्जर लगाने के दौरान एक युवती को किसी जहरीले जंतु ने काट लिया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस घटना से परिवार और गांव में मातम पसर गया है। बताया जा रहा है कि युवती की शादी इसी फरवरी में तय थी और घर में जोर-शोर से तैयारियां चल रही थीं।जानकारी के अनुसार, कलापुर गांव निवासी दिनेश यादव की 25 वर्षीय पुत्री पूजा शनिवार दोपहर अपने घर में मोबाइल चार्ज करने के लिए बिजली के बोर्ड में चार्जर लगा रही थी। ,

उसी दौरान किसी जहरीले जंतु ने उसके पैर में डंस लिया। शुरू में परिजनों को स्थिति की गंभीरता का अंदाजा नहीं हुआ, लेकिन कुछ ही देर में पूजा की हालत बिगड़ने लगी। परिजन उसे लेकर तत्काल शाहगंज के एक निजी अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे देखने के बाद हाथ खड़े कर दिए।

इसके बाद पूजा को गंभीर हालत में जौनपुर स्थित एक अन्य निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई। पूजा की मौत से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

ग्रामीणों ने बताया कि पूजा की शादी फरवरी में होनी थी और घर में शादी की तैयारियां चल रही थीं। लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। मौत की पुष्टि होने के बाद परिजनों ने विधि-विधान से उसका अंतिम संस्कार कर दिया।

206.81 लाख की आठ सड़क परियोजना का किया गया शिलान्यास

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शनिवार को राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण गिरीश चन्द्र यादव ने मुख्यमंत्री नगरीय अल्पविकसित/मलिन बस्ती विकास योजना के अंतर्गत रूपए 206.81 लाख की लागत की आठ सड़क परियोजना का शिलान्यास किया।जिन सड़कों का शिलान्यास किया गया उसमें प्रमुख रूप से वाजिदपुर दक्षिणी में वाजिदपुर तिराहे के सामने सेंट थामस कोचिंग के सामने आशादीप इलेक्ट्रॉनिक होते हुए अवधेश श्रीवास्तव के मकान तक इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य अनुमति लागत रु 34.93 लाख, नईगंज में रामनारायण अग्रहरी के मकान से जयप्रकाश के मकान से होते हुए उमेश सोनकर के मकान तक इंटरलॉकिंग व नाली का निर्माण कार्य अनुमति लागत रु 24.49 लाख, परमानतपुर में मैहर देवी ओलंदगंज मार्ग पर कृष्णा बुक डिपो से अशोक नगर कालोनी होते हुए प्रताप कालोनी तक इंटरलॉकिंग व नाली का निर्माण कार्य अनुमति लागत रु 29.75 लाख, हुसैनाबाद रोडवेज के सामने से जगदीश सिंह के मकान तक इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य अनुमति लागत रु 13.89 लाख, उदूर्बाजार में गल्ला मंडी तिराहे से रमन श्रीवास्तव के मकान तक इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य अनुमति लागत रु 28.25 लाख, ईसापुर में रसूलाबाद मार्ग से रवि सोनकर व सतीश सोनकर के मकान से होते हुए शाहगंज मार्ग तक इंटरलॉकिंग व नाली का निर्माण कार्य अनुमति लागत रु 9.81 लाख, उदूर्बाजार चौराहे से डा.हरिनंदन श्रीवास्तव के मकान से होते हुए बड़ी मस्जिद तक इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य अनुमति लागत रु 30.81 लाख, बलुआघाट में बुलबुल मौर्या के मकान से नरसिंह निषाद के मकान तक इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य अनुमति लागत रु 34.88 लाख है। शिलान्यास के दौरान राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) ने स्थानीय लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नगरीय अल्पविकसित / मलिन बस्ती विकास योजना के अंतर्गत लगभग 34 सड़क परियोजना स्वीकृत है जिसमें आज 8 सड़क परियोजना निर्माण कार्य शिलान्यास करके शुभारंभ किया जा रहा है। जिससे लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होगा, यदि आपको लगता है कि निर्माण कार्य में लापरवाही हो रही है।मानक के अनुरूप निर्माण कार्य नहीं है तो उसकी जानकारी आप हमको दीजिए, उसके खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी।शिलान्यास के दौरान प्रमुख रूप से डा0 रामसूरत मौर्या, मण्डल अध्यक्ष कमलेश निषाद, आनंद निषाद, सभासद सीपीन सिंह, विकास शर्मा, प्रदीप जायसवाल, अजय सिंह, मनीष श्रीवास्तव व राजदेव यादव सहित अन्य मौजूद रहे।

उत्तर भारतीय संगठनों की मांग,मुलुंड का अग्रवाल हॉस्पिटल तत्काल जनता के लिए खोला जाय

मुंबई। पिछले 10 वर्षों से करोड़ों रुपए की लागत से मुंबई मनपा द्वारा निर्मित एम. टी. अग्रवाल हॉस्पिटल की बहुमंजिला इमारत बन कर तैयार है। परन्तु एक दो वर्षों से उसके उद्घाटन का शुभ मुहूर्त नहीं निकल पा रहा है। जिसकी वजह से इस बरसात के मौसम में मुलुंड ,भांडुप के रोगियों एवं परिजनों को भारी दुर्दशा झेलनी पड़ रही है। इस समय मुंबई में मलेरिया, डेंगू, गैस्ट्रो, टाइफाइड का प्रकोप चल रहा है। कामचलाऊ हॉस्पिटल के डॉक्टर सभी मरीजों को यह कहते हैं कि यहाँ सुविधा उपलब्ध नहीं है,और उन्हें सायन, राजावाड़ी, अथवा के.ई.एम.हॉस्पिटल भेज देते है। इससे मरीजों एवं उनकेपरिजनो को भारी त्रासदी झेलनी पड़ रही है। इस सन्दर्भ में मुलुंड के उत्तर भारतीय संगठनों के प्रतिनिधियों, डॉ. सचिन सिंह (अध्यक्ष युवा ब्रिगेड असोसिएशन), डॉ. बाबूलाल सिंह(अध्यक्ष- महानगरी को ऑप क्रेडिट सोसाइटी लि.), बीरेंद्र पाठक (महासचिव- उत्तर भारतीय मित्र मंडल), रमा शंकर तिवारी (अध्यक्ष- उत्तर भारतीय संगम) ने टी वार्ड की नवनियुक्त सहायक आयुक्त श्रीमती योगिता कोल्हे का सत्कार करते हुए उन्हें इस संदर्भ का ज्ञापन सौंपा तथा नवनिर्मित एम. टी. अग्रवाल हॉस्पिटल को शीघ्र से शीघ्र जनता की सेवा के लिए खुलवाने की मांग किया। सहायक आयुक्त ने भी इस सन्दर्भ में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक एवं वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारियों से बात कर सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर युवा समाजसेवी मोहित सिंह, चद्रवीर यादव, दयाशंकर पाल, राकेश मिश्रा, रवि बरनवाल भी उपस्थित रहे।

ट्रिपल इंजन की सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। अमृत योजना विष योजना बनती जा रही है। पहली बारिश में ही शहर की सभी प्रमुख सड़कें धंस गई। ओलंदगंज से मच्छरहट्टा होते हुए कचहरी जाने वाली सड़क पर प्रेम गाढ़ा के पास स्थित डाट के पुल के नीचे सड़क लगभग 10 फिट अंदर घुस गई। यही हाल सिटी स्टेशन रोड का भी हुआ है इसके पहले पॉलिटेक्निक से ओलंदगंज की सड़क लगभग 1 किलोमीटर तक धंस चुकी है अभी कुछ दिन पहले खास ओलंदगंज बाजार में भी सड़क में अचानक से 10 फिट गड्ढा हो गया था। टीचर्स कॉलोनी मुरादगंज में गली नाल में तब्दील हो चुकी है। सड़कों के निर्माण में हुए भ्रष्टाचार के खिलाफ आम आदमी पार्टी लगातार आवाज बुलंद कर रही है इस अवसर पर पूर्वांचल प्रांत प्रभारी डॉ अनुराग मिश्र ने कहा की महज 7 दिन पहले राज्य मंत्री गिरीश चंद्र यादव जी ने लोक निर्माण विभाग के साथ समीक्षा बैठक कर यह निर्देश दिया था कि जब तक सड़के गड्ढामुक्त ना हो जाए एक्सियन, एई व जेई का वेतन रोक दिया जाए। लेकिन भ्रष्टाचार की गंगोत्री में लगातार जौनपुर की सड़क डूब रही है अमृत योजना के तहत सीवर बचाने का काम और फिर सड़क बनाने के काम में जमकर भ्रष्टाचार हुआ है जिसकी परतें पहले ही बारिश में खुलने लगी है आम आदमी पार्टी इस पूरे भ्रष्टाचार की उच्च स्तरीय जांच की मांग करती है। और इस पर एक बड़े आंदोलन की रणनीति तैयार कर रही है। इस अवसर पर पार्टी के वरिष्ठ साथी सोम कुमार वर्मा और बंटी अग्रहरि, एच एन तिवारी मौजूद रहे और सड़क का निरीक्षण किया।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं को दी जानकारी

पुलिस ने बताए हेल्पलाइन नंबर, महिला सुरक्षा के लिए दी सलाह

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश में मिशन शक्ति अभियान फेज-5 के अंतर्गत शनिवार को खेतासराय कस्बें में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ के निर्देशन में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

मिशन शक्ति दीदी के तहत थानाध्यक्ष रामाश्रय रॉय के नेतृत्व में महिला आरक्षी आशा गुप्ता और अंतिमा सिंह ने थाना क्षेत्र की महिलाओं को महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। इनमें डायल-112, महिला हेल्पलाइन-181, वुमेन पावर लाइन-1090 और चाइल्ड हेल्पलाइन-1098 शामिल हैं। साथ ही मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076, वन स्टॉप सेंटर-181, स्वास्थ्य सेवा-102 और एंबुलेंस सेवा-108 के बारे में भी बताया गया। इसी अभियान के तहत महिला आरक्षी ने कस्बों और बाजारों में जाकर महिलाओं को इन सेवाओं के बारे में जागरूक किया। यह अभियान महिलाओं को स्वावलंबी बनाने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। खेतासराय।

बेवजह बाजारों में घूम रहे मनचलों को एंटी रोमियो ने लगाई फटकार

पुलिस की एंटी रोमियो स्क्वायड ने कस्बे भर में मनचलों के खिलाफ अभियान चलाया तो खलबली मच गई। स्कूल-कॉलेजों के आसपास मंडराने वाले मजनुओं की फौज भाग खड़ी हुई। टीम ने कुछ युवकों को मौके पर समझाया, कुछ को चेतावनी दी और कई के अभिभावकों को बुलाकर सख्त हिदायत दी। सरकार के सख्त रवैये के असर पुलिस पर नजर आया। महिला पुलिस और थानों में बनी एंटी रोमियो स्क्वायड की टीम छात्राओं के स्कूल कॉलेजों पर पहुंच गई। कॉलेज के सामने खड़े कुछ युवकों से पूछताछ की तो युवक खड़े होने का कोई सही कारण नहीं बता सके। जिसके बाद उनको चेतावनी देकर छोड़ा गया।

डॉ.आर.ए.तिवारी फाउंडेशन द्वारा कंपोजिट विद्यालय में नि:शुल्क नोटबुक वितरण

जौनपुर। सामाजिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक ट्रस्ट डॉ.आर.ए तिवारी फाउंडेशन (पंजीकृत) द्वारा जनपद जौनपुर के बरसठी ब्लाक में स्थित विजयगिर-पोखरा ग्राम सभा के पोखरा गांव में राज्य सरकार द्वारा संचालित कंपोजिट विद्यालय के सभी विद्यार्थियों को निःशुल्क नोट बुक वितरित की गई। ट्रस्ट से जुड़े वरिष्ठ समाजसेवी लक्ष्मीनारायण (फलई) तिवारी के मुख्य संयोजन एवं वरिष्ठ समाजसेवी अरविंद तिवारी की अध्यक्षता में संपन्न इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी, राजनेता कैलाशनाथ दुबे थे। विजयगिर-पोखरा ग्राम सभा के प्रधान अच्छेलाल विश्वकर्मा और समाजसेवी रामयज्ञ तिवारी के आलावा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे। विद्यालय के मुख्याध्यापक राजकमल राव ने सभी अतिथियों का स्वागत और विद्यालय के अध्यापक गणेश प्रसाद यादव ने संचालन और आभार व्यक्त किया ट्रस्ट के चेयरमैन और मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ.राधेश्याम तिवारी ने विद्यालय के विद्यार्थियों और शिक्षकों को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की है।

पेशे की नैतिकता को आत्मसात करें विधि छात्र: कुलपति

करियर निर्माण हेतु व्यावहारिक प्रशिक्षण जरूरी :आदित्य परोलिया

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि संस्थान द्वारा ?कॉरपोरेट विधि का परिचयः विधि छात्रों के लिए क्षेत्र एवं करियर संभावनाएँ? विषय पर एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन शनिवार को किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थान के निदेशक डॉ. देवराज सिंह द्वारा प्रतिभागियों के स्वागत एवं विषय प्रवर्तन करते हुए किया गया। उन्होंने कहा कि कॉरपोरेट विधि का ज्ञान विधि छात्रों के लिए अत्यंत आवश्यक है।मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कॉरपोरेट विधि की बढ़ती वैश्विक प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए विधि छात्रों को व्यावहारिक कौशल, अनुसंधान क्षमता और पेशे की नैतिकता को आत्मसात करने की प्रेरणा दी।मुख्य वक्ता मुंबई के स्वतंत्र विधि सलाहकार आदित्य परोलिया ने कॉरपोरेट विधि की अवधारणाओं, कंपनी संचालन, निवेश ढांचे एवं विधिक उत्तरदायित्वों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने विधि छात्रों को इस क्षेत्र में करियर निर्माण हेतु अनुशासन और व्यावहारिक प्रशिक्षण पर विशेष बल देने को कहा।इस ऑनलाइन कार्यशाला में विश्वविद्यालय एवं उसके अधीनस्थ विधि महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं व प्राध्यापकों ने गूगल मीट के माध्यम से सक्रिय सहभागिता की।कार्यक्रम में वक्ता का परिचय डॉ. वनीता सिंह ने संचालन प्रगति सिंह ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. प्रियंका सिंह ने किया। तकनीकी सहयोग सूरज सोनकर, जीशान अली एवं डॉ. शुभम सिंह ने प्रदान किया।कार्यक्रम समन्वयक डॉ. राजन तिवारी ने आयोजन को सफल बनाने हेतु सभी का आभार व्यक्त किया।

मुंगराबादशाहपुर में बदमाशों ने सात लाख का सोना चांदी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंगराबादशाहपुर के मुहल्ला पकड़ी गोदाम न्यु शक्ति रोड निवासी शुभम् सोनी की तरहठी के सुभाष नगर में प्रिया ज्वैलर्स के नाम से सराफा की दूकान है। रोज की तरह रात में वह दूकान बंद करके मोटरसाइकिल से घर आ रहे थे।

सराफा व्यवसाई शुभम् के मुताबिक रामपुर सुजनीडीह गांव के करीब पुलिया के पास पहुंचे ही थे कि दो मोटरसाइकिल सवार बदमाशों ने पीछे से आकर बाईक रूकवा ली और आतंकित कर डिग्गी में रखे तीस ग्राम सोना व पांच किलो चांदी के सामान लूट ले गए। सराफा व्यवसाई के मुताबिक उसे खेत में फेंक दिया गया फिर घटना को अंजाम दिया गया। करीब सात लाख के गहने बदमाश लूटने में सफल रहे। घटना की जानकारी पुलिस को मिली तो वह मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही सीओ मछलीशहर प्रतिमा वर्मा भी थाने पहुंच कर व्यवसाई से पूछताछ की। इस मामले में थानाध्यक्ष दिलीप कुमार सिंह का कहना है कि मामला संदिग्ध लग रहा है। व्यवसाई से पूछताछ की जा रही है। सीसीटीवी कैमरों को भी खंगाला जा रहा है।

बिजली गिरने से पांच लोगों की मौत, 13 झुलसे

आजमगढ़। बारिश और गरज-चमक के बीच बिजली गिरने से आजमगढ़ और सोनभद्र में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि 13 लोग झुलस गए। हादसे के बाद सभी परिवारों में कोहराम मच गया। सोनभद्र के घोरावल क्षेत्र के कन्हारी गांव के सुपाड़ी लाल (50) अपनी पत्नी नौरंगी देवी (47) के साथ शुक्रवार की दोपहर खेत पर गए थे। बारिश के बीच बिजली गिरने से दोनों चपेट में आ गए। इससे नौरंगी देवी की मौत हो गई, जबकि सुपाड़ी लाल झुलस गए। इसके अलावा, बिजली गिरने से गांव देवरीकाठ में आरती (20), पुष्पा (20) और रेखा देवी (28) और पथरताल गांव के राकेश यादव (18) झुलस गए।